संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 152
पृष्ठ 8
शुक्रवार
20 फरवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- लगातार आती खांसी को न लें...

विचार- आयातित विदेशी हथियारों पर...

खेल- इमाद वसीम की पूर्व पत्नी ने व्हाट्सएप...

एआई समिट में प्रधानमंत्री मोदी बोले-

डेटा संप्रभुता का हो पूरा सम्मान

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नैतिक उपयोग के लिए एक व्यापक रोडमैप प्रस्तुत किया और चेतावनी दी कि मानवीय मूल्यों और मार्गदर्शन के बिना यह तकनीक आत्मघाती साबित हो सकती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए स्पष्ट मानवीय मूल्यों और दिशा–निर्देशों की नींव आवश्यक है, और कहा कि सार्थक वैश्विक प्रभाव प्राप्त करने के लिए इस तकनीक को मानवीय विश्वास के साथ जोड़ा जाना चाहिए। नई दिल्ली में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के नेताओं के पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एक जिम्मेदार और मानव–केंद्रित वैश्विक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उत्कृ

ष्टता और एआई के नैतिक उपयोग के लिए मेरे तीन सुझाव हैं। पहला, डेटा संप्रभुता का सम्मान करते हुए एआई प्रशिक्षण के लिए एक डेटा ढांचा विकसित किया जाना चाहिए। एआई में कहावत है, गलत इनपुट से गलत आउटपुट। यदि डेटा सुरक्षित, संतुलित और विश्वसनीय नहीं है, तो आउटपुट भरोसेमंद नहीं होगा। इसलिए, एक वैश्विक विश्वसनीय डेटा ढांचा आवश्यक है। एआई विकास के तकनीकी और कॉर्पोरेट पक्ष की ओर बढ़ते हुए, पीएम मोदी ने "ब्लैक बॉक्स" एल्गोरिदम संस्कृति के युग को समाप्त करने का आह्वान किया, जहां एआई निर्णय लेने की प्रक्रिया अपारदर्शी और छिपी हुई होती है। उन्होंने पूर्ण पारदर्शिता की ओर बदलाव की वकालत की। उन्होंने कहा कि हमें ब्लैक बॉक्स के बजाय ग्लास बॉक्स दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जहां सुरक्षा नियमों को देखा और सत्यापित किया जा सके। जवाबदेही स्पष्ट होगी और व्यापार में नैतिक व्यवहार को भी बढ़ावा मिलेगा।

एआई सुरक्षा अनुसंधान में एक प्रसिद्ध विचार प्रयोग का हवाला देते हुए, प्रधानमंत्री ने पेपरक्लिप समस्या के बारे में चेतावनी दी – एक ऐसा परिदृश्य जहां पेपरक्लिप बनाने जैसे संकीर्ण लक्ष्य वाली एआई नैतिक दिशा–निर्देशों के अभाव में सभी उपलब्ध संसाधनों का उपभोग कर लेती है। उन्होंने आगाह किया, यदि किसी मशीन को केवल पेपरक्लिप बनाने का लक्ष्य दिया जाए, तो वह ऐसा करना जारी रखेगी, भले ही इसके लिए उसे दुनिया के सभी संसाधनों का उपभोग करना पड़े। ऐसी अनपेक्षित आपदाओं को रोकने के लिए, प्रधानमंत्री ने जोर दिया कि एआई को अपने मूल प्रोग्रामिंग में स्पष्ट मानवीय मूल्यों और मार्गदर्शन को एकीकृत करने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई उत्कृष्टता शून्य में मौजूद नहीं हो सकती। तकनीकी प्रगति को मानवीय नैतिकता के साथ जोड़कर, भारत एक ऐसे डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में विश्व का नेतृत्व करना चाहता है जो नवोन्मेषी और सुरक्षित दोनों हो। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह माना जाता है कि यह शिखर सम्मेलन मानव–केंद्रित, संवेदनशील वैश्विक एआई पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यदि हम इतिहास पर नजर डालें, तो हम देखते हैं कि मनुष्यों ने हर व्यवधान को एक नए अवसर में बदल दिया है। आज, हमारे सामने एक बार फिर ऐसा ही अवसर है। हमें मिलकर इस व्यवधान को मानवता के सबसे बड़े अवसर में बदलना होगा।

मुफ्त की योजनाओं पर सुप्रीम टिप्पणी:

रेवड़ी नहीं रोजगार के अवसर पैदा करें, सबको फ्री सुविधाएं बांटना गलत

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। दरअसल, राज्य सरकार ने कुछ समुदायों के लिए बिजली टैरिफ में सब्सिडी स्कीम की घोषणा की थी। इससे पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी पर फाइनेंशियल दबाव पड़ा। राज्य सरकार के फैसले के खिलाफ पावर डिस्ट्रिब्यूशन कंपनियों ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इस दौरान कोर्ट ने कहा कि राज्यों में अपनाई गई मुफ्त सुविधाओं की संस्कृति आर्थिक विकास में बाधा डालती है। सुप्रीम कोर्ट की बेंच, जिसमें मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत समेत जजों ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा ज्यादातर राज्य पहले से ही घाटे में हैं, फिर भी विकास को छोड़कर मुफ्त सुविधाएं बांट रहे हैं। कोर्ट ने साफ कहा– जो

लोग भुगतान नहीं कर सकते, उन्हें सहायता देना समझ में आता है। लेकिन अमीर–गरीब में फर्क किए बिना सबको मुफ्त देना गलत नीति है। इस दौरान कोर्ट ने चेतावनी दी और कहा अगर सुबह से शाम तक मुफ्त खाना, साइकिल और बिजली मिलती रही तो लोगों में काम करने की भावना कम हो जाएगी।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, कई राज्य सरकारें भारी कर्ज और घाटे के बावजूद मुफ्त योजनाएं बांट रही हैं। अगर सरकारें मुफ्त पैसे, बिजली या दूसरी सुविधाएं देती रहेंगी, तो आखिर इनका खर्च कौन उठाएगा? अगर सरकारें मुफ्त खाना, साइकिल और बिजली जैसी सुविधाएं देती रहेंगी, तो विकास के कामों के लिए पैसा कहां से आएगा? सीजेआई ने कहा कि कई राज्य पहले से ही घाटे में हैं, फिर भी वे नई–नई कल्याण योजनाएं शुरू कर रहे हैं।

यूएन महासचिव ने किया आगाह, कहा-

एआई को इंसान का विकल्प नहीं, सहारा बनना चाहिए

नई दिल्ली,एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस गुरुवार को इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में शामिल हुए। उन्होंने अपने भाषण में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की चुनौतियों को लेकर चेतावनी दी। गुटेरेस ने कहा कि एआई को इंसानों की जगह नहीं लेनी चाहिए। इसके बजाय एआई को इंसानी क्षमता बढ़ाने में मदद करनी चाहिए। एआई के खतरे को लेकर उन्होंने कहा, हमें श्रमिकों में निवेश करना चाहिए, ताकि एआई इंसानी क्षमता को बढ़ाए, उसे प्रतिस्थापित न करे। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के उद्घाटन पर उन्होंने एआई के विस्तार से उत्पन्न होने वाली सामाजिक, आर्थिक और पारिस्थितिक समस्याओं से निपटने

की अपील की। उन्होंने कहा, असली इम्पैक्ट का मतलब है ऐसी तकनीक जो जिंदगी को बेहतर बनाए और धरती की रक्षा करे। आइए, डिफॉल्ट सेटिंग के रूप में गरिमा के साथ सबके लिए एआई बनाएं। ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरण पर असर के बारे में उन्होंने कहा, जैसे–जैसे एआई की ऊर्जा और पानी की मांग बढ़ रही है, डेटा सेंटर और सप्लाई चेन को स्वच्छ ऊर्जा पर स्विच करना चाहिए, न कि इसका बोझ कमजोर समुदायों पर डालना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि एआई सभी के लिए सुरक्षित होना चाहिए। इसके लिए लोगों को शोषण, हेरफेर और दुरुपयोग से बचाना जरूरी है। बच्चों पर सोशल मीडिया के बुरे असर को लेकर जारी विवाद के बीच एंटोनियो गुटेरेस ने कहा, किसी भी बच्चे को अनियंत्रित एआई का परीक्षण विषय नहीं बनाया जाना चाहिए।

समुद्री डकैती–आतंकवाद, साइबर समस्या बड़ी चुनौतियां, राजनाथ बोले-

कोई नौसेना अकेले सामना करने में अक्षम

विशाखापत्तनम,एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज भारतीय नौसेना की तरफ से आयोजित प्रमुख द्विवार्षिक बहुपक्षीय समुद्री अभ्यास मिलन 2026 के 13वें संस्करण के उद्घाटन के लिए विशाखापत्तनम पहुंचे। जहां उन्होंने उद्घाटन समारोह को संबोधित किया। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज समुद्री डकैती, समुद्री आतंकवाद, अवैध मछली पकड़ना, तस्करी, साइबर कमजोरियां और जरूरी आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधाएं वैश्विक समुद्री सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी हैं। इसके साथ ही जलवायु परिवर्तन के कारण प्राकृतिक आपदाएं बढ़ रही हैं, जिससे मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियानों की आवश्यकता अधिक बार और व्यापक रूप से पड़ रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्पष्ट कहा कि कोई भी एक नौसेना, चाहे वह कितनी भी सक्षम क्यों न हो, इन सभी चुनौतियों का अकेले सामना नहीं कर सकती। इसलिए नौसेनाओं के बीच सहयोग अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। इस वर्ष 74 देशों की भागीदारी के साथ मिलन–2026 अब तक का सबसे बड़ा और सबसे समावेशी आयोजन बन गया है। यह इस बात का प्रमाण है कि वैश्विक समुद्री समुदाय भारत को एक भरोसेमंद और जिम्मेदार समुद्री भागीदार के रूप में देखता है। आज की विशिष्ट जिम्मेदारियां अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपेक्षा करती हैं कि वह परस्पर सम्मान की भावना से मिलकर चुनौतियों का समाधान करे। उन्होंने कहा कि जब कई देशों के युद्धपोत साथ–साथ समुद्र में चलते हैं, जब नाविक एक साथ प्रशिक्षण लेते हैं, और जब कमांडर सामूहिक विचार–विमर्श करते हैं, तब भौगोलिक और राजनीतिक सीमाओं से ऊपर उठकर साझा समझ विकसित होती है। शमिलनश जैसे मंच पेशेवर विशेषज्ञता को एक साथ लाते हैं, आपसी विश्वास को मजबूत करते हैं, संयुक्त रूप से काम करने की क्षमता बढ़ाते हैं, और साझा चुनौतियों के लिए समन्वित प्रतिक्रिया देने में मदद करते हैं। उन्होंने कहा– समुद्र में संयुक्त अभ्यास, बैठकों के दौरान पेशेवर संवाद और सांस्कृतिक आदान–प्रदान के माध्यम से हम स्थायी मित्रता के बंधन को सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता दोहराते हैं। भारत एक न्यायसंगत समुद्री व्यवस्था की स्थापना का आकांक्षी है, जो अंतरराष्ट्रीय नियमों और कानूनों के अनुरूप समुद्री आवागमन की स्वतंत्रता पर आधारित हो।

रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि इस कानूनी ढांचे को एक व्यापक वैश्विक नौसैनिक संरचना के माध्यम से और मजबूत किया जा सकता है। संचार मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और समुद्र में आतंकवाद सहित आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाएं। साथ ही वैश्विक स्तर पर राष्ट्रीय सीमाओं की सुरक्षा की पारंपरिक भूमिका भी निभाएं। भारत लंबे समय से इस सहयोग की आवश्यकता को पहचानता रहा है। इसी सोच के तहत क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास की परिकल्पना से आगे बढ़ते हुए अब परस्पर और समग्र उन्नति पर आधारित व्यापक दृष्टिकोण को अपनाया गया है। एक सच्चे विश्व–मित्र के रूप में भारत क्षेत्र में रचनात्मक और भरोसेमंद भूमिका निभाता रहेगा।

रामकृष्ण के नाम में स्वामी पर बवाल, ममता बोलीं-

प्रधानमंत्री मोदी सांस्कृतिक रूप से असंवेदनशील हैं

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर संत रामकृष्ण परमहंस की जयंती पर उनके नाम के कथित दुरुपयोग को लेकर तीखा प्रहार किया। फेसबुक पर एक पोस्ट के माध्यम से बनर्जी ने प्रधानमंत्री को सांस्कृतिक रूप से असंवेदनशील बताया। एक बार फिर स्तब्ध! हमारे प्रधानमंत्री ने एक बार फिर बंगाल की महान हस्तियों के प्रति अपनी सांस्कृतिक असंवेदनशीलता का आक्रामक प्रदर्शन किया है। उन्होंने फेसबुक पर लिखा आज युगावतार (हमारे युग में ईश्वर का अवतार) श्री श्री रामकृष्ण परमहंसदेव की जन्मतिथि है। इस अवसर पर महान संत को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए, हमारे प्रधानमंत्री ने उनके नाम के आगे अभूतपूर्व और अनुचित उपसर्ग स्वामी जोड़ दिया है।

गुरुवार को प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाल के प्रसिद्ध संत रामकृष्ण की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अपने ट्वीट में नरेंद्र मोदी ने रामकृष्ण को संबोधित करने से पहले स्वामी शब्द का प्रयोग किया, जिसकी ममता बनर्जी के साथ–साथ तृणमूल के कई प्रमुख नेताओं, जिनमें पार्टी प्रवक्ता कुणाल घोष भी शामिल हैं, ने आलोचना की। पश्चिम बंगाल में रामकृष्ण परमहंस को ठाकुर या श्री रामकृष्ण के नाम से जाना जाता है और तृणमूल के कई नेताओं ने इस बात पर जोर दिया। प्रेस से बात करते हुए कुणाल घोष ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज ठाकुर श्री रामकृष्ण परमहंस देव की जयंती पर एक पोस्ट किया। आम तौर पर स्वामी शब्द का प्रयोग पूजा या गुरुदेव से संबंधित मामलों में किया जाता है। श्री रामकृष्ण देव के मामले में, इसका प्रयोग उस समानार्थक अर्थ में नहीं किया जाता है। ठाकुर शब्द का प्रयोग किया जाता है। बंगाल की परंपरा में, उन्हें ठाकुर श्री रामकृष्ण परमहंस देव के नाम से जाना जाता है।

यूपी बोर्ड देगा नई सुरक्षा वाली मार्कशीट, न फटेगी, न भीगेगी, नकली बनाना होगा मुश्किल

प्रयागराज। माध्यमिक शिक्षा परिषद इस वर्ष हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों को अत्याधुनिक सुरक्षा फीचर्स वाली नई अंक तालिका (मार्कशीट) जारी करेगा। परिषद का दावा है कि यह मार्कशीट इतनी मजबूत होगी कि न पानी से गल सकेगी, न आसानी से फटेगी और न ही सामान्य तरीके से नष्ट की जा सकेगी। माध्यमिक शिक्षा परिषद इस वर्ष हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों को अत्याधुनिक सुरक्षा फीचर्स वाली नई अंक तालिका (मार्कशीट) जारी करेगा। परिषद का दावा है कि यह मार्कशीट इतनी मजबूत होगी कि न पानी से गल सकेगी, न आसानी से फटेगी और न ही सामान्य तरीके से नष्ट की जा सकेगी। परिषद के अनुसार पिछले वर्ष लगभग 58 लाख विद्यार्थियों

को इसी प्रकार की सुरक्षित मार्कशीट उपलब्ध कराई गई थी, लेकिन उसमें रही कुछ तकनीकी कमियों को इस बार दूर किया जा रहा है। सचिव भगवती सिंह ने बताया कि नई मार्कशीट पर विशेष मोनोग्राम होगा, जो धूप में चमकेगा और इसे लेमिनेशन कराने की आवश्यकता भी नहीं पड़ेगी। परिषद का कहना है कि इन विशेषताओं के कारण फर्जी मार्कशीट बनाना लगभग असंभव हो जाएगा। सचिव ने बताया कि इसकी गुणवत्ता को लेकर परीक्षण किए गए हैं और इसे नुकसान पहुंचाना बेहद कठिन है, इसलिए विद्यार्थियों को अलग से सुरक्षित रखने या लेमिनेशन कराने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्होंने कहा कि इसे कोई फाड़ नहीं सकता, अगर ऐसा कर दें तो एक लाख ईनाम देंगे। यह नियमों में नहीं हैं, लेकिन ऐसा परिषद इसकी विश्वसनीयता के लिए दावा कर रहा हैं।

मुख्य बिंदु– नकली बनाना होगा बेहद कठिन

पानी और नमी से सुरक्षित विशेष कागज

मजबूत सामग्री, आसानी से फटने योग्य नहीं

फोटो कॉपी कराने पर फोटो कॉपी स्वतः हो जाएगा अंकित– देश में सीमित कंपनियों में तैयार होने वाला विशेष पेपर

कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद कहा कि राज्य का यह कर्तव्य है कि व प्रत्येक नागरिक के जीवन की रक्षा करे।

कोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति को याचियों के शांतिपूर्ण जीवन में हस्तक्षेप करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

पांटून पुल पर बिछाई गई चकर्ड प्लेट बेतरतीब, चलना हुआ मुश्किल

प्रयागराज। मदरा–टेला गंगा घाट पर बने पांटून पुल के रास्ते में बिछाए गए चकर्ड प्लेट पूरी तरह से बेतरतीब हो गए हैं। जिससे राहगीरों को आने–जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इतना ही नहीं, चकर्ड प्लेट बेतरतीब हो जाने से कई वाहन बालू के रेते में फंस जा रहे हैं। इसकी शिकायत मदरा के अधिवक्ता मयंक मिश्र ने कई बार लोक निर्माण विभाग के अभियंताओं से की लेकिन बेतरतीब चकर्ड प्लेटों को ठीक नहीं किया जा सका। जिससे समस्या जस की तस बनी हुई है। बता दें कि मेजा और हंडिया को जोड़ने के लिए मदरा–टेला गंगा घाट पर पांटून पुल बनाया गया है। जिस पर प्रतिदिन हजारों लोगों का आना–जाना है। यह पुल तीन जनपदों को जोड़ता है। लेकिन पांटून पुल पर पहुंचने के लिए मदरा की तरफ बालू के रेती में बिछाए गए चकर्ड प्लेट पूरी तरह बेतरतीब हो गए हैं। जिससे राहगीरों को आने–जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

चकर्ड प्लेट बेतरतीब होने की सूचना मिली है। कर्मचारियों को कह दिया गया है। जल्द ही ठीक करा दिया जाएगा।– अमरेश चन्द्र अवर अभियंता लोक निर्माण विभाग।

33,365 किसानों की अब तक नहीं हो सकी है फार्मर रजिस्ट्री

प्रयागराज। तहसील के मेजा, मांडा, उरुवा और कोरांव आंशिक क्षेत्र के 82237 किसानों में 48872 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री हो गई है। जबकि अब तक 33,365 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री नहीं हो सकी है। प्रशासन का कहना है कि मार्च तक जिन किसानों की फार्मर रजिस्ट्री नहीं हो पाएगी उनका प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि आनी बंद हो जाएगी।

हालांकि, प्रशासन ने ग्राम चौपाल लगाकर किसानों का फार्मर रजिस्ट्री करना शुरू कर दिया है। चौपाल में लेखपाल से डैशबोर्ड पर आवेदन करके खतौनी के सामान्य संशोधन की प्रक्रिया पूरी की जा सकेगी।

एसडीएम सुरेंद्र प्रताप यादव ने बताया कि अब तक 33,365 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री होनी शेष है। इसको पूरा करने के लिए गांवों में चौपाल लगाया जा रहा है। खतौनी विभाग के प्रभारी केसी पांडेय ने बताया कि खतौनी अनुभाग की तरफ से फार्मर रजिस्ट्री में आ रही अभिलेखीय समस्या को निस्तारण के लिए ग्राम चौपाल लगाया जा रहा है।

बजट सत्र में लालगोपालगंज में आरओबी बनानी की मांग

प्रयागराज। विधानसभा के बजट सत्र के दौरान फाफामऊ विधानसभा क्षेत्र के विकास को विधायक गुरु प्रसाद मौर्य ने विधानसभा में अभिभाषण में क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं व पर्यटन की संभावनाओं को प्रमुखता से सदन के पटल पर रखा। उन्होंने विशेष रूप से लालगोपालगंज में रेलवे ओवरब्रिज और शृंग्वेरपुर धाम से फाफामऊ के बीच रिवर फ्रंट के निर्माण की मांग की। विधायक की इस पहल पर क्षेत्र के लोगों में हर्ष व्याप्त है।

विधायक गुरु प्रसाद मौर्य ने अपने क्षेत्र की जनता की लंबे समय से लंबित मांगों को स्वर दिया। उन्होंने सदन को अवगत कराया कि नगर पंचायत लालगोपालगंज का जेठवारा मार्ग जो प्रयागराज को प्रतापगढ़ जनपद से जोड़ता है, रेलवे क्रॉसिंग के कारण यहां जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे व्यापार व आपातकालीन सेवाएं प्रभावित होती हैं। उन्होंने यहां अविलंब रेलवे ओवरब्रिज निर्माण की मांग किया। विधायक ने सड़क कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए नवाबगंज–दहियावां मार्ग एवं थरवई में भी ओवरब्रिज की आवश्यकता जताई। इसके अतिरिक्त उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए लखनऊ मार्ग से कमालापुर होकर गऊघाट तक, तथा मेंडारा चौराहा से मंसूराबाद–आनापुर होते हुए शकरदहा तक सड़क चौड़ीकरण का प्रस्ताव रखा।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की टिप्पणी– भरण–पोषण इतना अधिक न हो कि पति के लिए असहनीय बोझ बन जाए

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि भरण–पोषण की राशि न तो इतनी अधिक होनी चाहिए कि वह पति के लिए असहनीय बोझ बन जाए और न ही इतनी कम कि पत्नी और बच्चे अभाव में जीवन जीने को मजबूर हों।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि भरण–पोषण की राशि न तो इतनी अधिक होनी चाहिए कि वह पति के लिए असहनीय बोझ बन जाए और न ही इतनी कम कि पत्नी और बच्चे अभाव में जीवन जीने को मजबूर हों। न्यायमूर्ति मदन पाल सिंह की एकलपीठ ने इस टिप्पणी के साथ पारिवारिक न्यायालय की ओर से तय 16 हजार रुपये प्रतिमाह की भरण–पोषण राशि को घटाकर आठ हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया। उन्होंने यह आदेश पति की ओर से दायर आपराधिक पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया।

फतेहपुर के पारिवारिक न्यायालय ने 22 अप्रैल 2025 को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत दायर प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए पति की आय लगभग 32 हजार रुपये प्रतिमाह मानकर पत्नी को 10 हजार और बेटे को छह हजार रुपये प्रतिमाह भरण–पोषण देने का आदेश दिया था। पति अनिल कुमार ने इस आदेश को चुनौती

देते हुए हाईकोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दाखिल की थी।

याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि उसकी आय लगभग 30द32 हजार रुपये प्रतिमाह है, ऐसे में 16 हजार रुपये प्रतिमाह देना अत्यधिक है। शासकीय अधिवक्ता ने दलील दी कि ट्रायल कोर्ट के फैसले में कोई कमी नहीं है। इसलिए आपराधिक पुनरीक्षण याचिका खारिज की जानी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि पत्नी विधिक रूप से विवाहित है और उसके पास स्वयं की आय का कोई स्रोत नहीं है। बेटा भी आश्रित है, लेकिन भरण–पोषण तय करते समय पति की शुद्ध आय को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के रजनीश बनाम नेहा और कुलभूषण कुमार बनाम राजकुमारी मामलों का हवाला देते हुए कहा कि भरण–पोषण पति की शुद्ध आय के लगभग 25 प्रतिशत तक उचित माना जा सकता है। 32 हजार रुपये की आय पर 16 हजार रुपये प्रतिमाह देना लगभग 50 प्रतिशत होता है, जो अत्यधिक है। कोर्ट ने पारिवारिक न्यायालय के आदेश में संशोधन करते हुए भरण–पोषण की कुल राशि आठ हजार रुपये प्रतिमाह करने का आदेश दिया। यह राशि आवेदन की तिथि से देय होगी।

छात्रा का शव सड़क पर रखकर लगाया जाम

प्रयागराज। ट्रक से कुचलकर इंटर की छात्रा की मौत के मामले में 24 घंटे बाद भी ट्रक और चालक का पता न चलने पर आक्रोशित परिजनों ने ग्रामीणों के साथ बहरिया नहर चौराहे पर शव रखकर जाम लगा दिया। जिससे सिकंदरा– दांदूपुर मार्ग पर करीब पांच घंटे तक आवागमन बाधित रहा। सरायगनी निवासी शैलेंद्र कुमार मौर्य की बेटी वैष्णवी मौर्य उर्फ अनुपम(17) बहरिया के आरएस आनंद हूबराजी संवारी संस्कार इंटरमीडिएट कॉलेज मैलहा में कक्षा 12वीं की छात्रा थी।

वैष्णवी की बोर्ड परीक्षा 18 फरवरी से होनी थी। देवरा दौलतपुर निवासी वैष्णवी का फुफरा भाई प्रदीप कुमार मौर्य भी इंटर का छात्र है और उसका सेंटर कौशल्या देवी रामारानी मौर्य इंटर कॉलेज धमौर में गया है। मंगलवार की दोपहर में वैष्णवी अपने फुफेरे भाई प्रदीप कुमार मौर्य के साथ उसके परीक्षा केंद्र देखने गई थी। घर लौटते समय सरायगनी गांव के सामने धमौर मोड़ पर तेज रफ्तार से आ रही एक ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। जिससे वैष्णवी छिटक कर सड़क के बीच में आ गई और ट्रक उसको कुचलते हुए निकल गया। जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। प्रदीप को भी गंभीर चोट आ गई।

थोड़ी देर में वहां लोगों की भीड़ जुट गई, लेकिन इसी बीच मौका पाकर चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और छात्रा के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। प्रदीप को सीएचसी मैलहा में ले जाया गया,लेकिन हालत गंभीर होने पर प्रदीप को इलाज के लिए रेफर कर दिया गया।

शैलेंद्र कुमार मौर्य की तहरीर पर अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने अंतिम संस्कार के लिए वैष्णवी मौर्या का शव परजनों को सौंपा। परिजन शव को बहरिया नहर चौराहे पर रखकर जाम लगा दिया। थोड़ी देर में गांव के लोग पहुंच गए। ग्रामीण पुलिस पर लीपापोती का आरोप लगा रहे थे। परिजनों का कहना था कि 24 घंटे के बाद भी बहरिया पुलिस ट्रक और चालक को नहीं पकड़ सकी है। दुर्घटना के बाद पुलिस ने आनन–फानन में बिना बताए वैष्णवी का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सड़क पर शव रखकर जाम लगाने की जानकारी होने पर पुलिस के हाथ पांव फूल गए। थानाध्यक्ष बहरिया बृजेश सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और समझाने का प्रयास किया तो लोग भड़क गए और नारेबाजी करने लगे। एसीपी फूलपुर विवेक यादव लोगों को समझने का प्रयास किया, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। परिजन इस बात पर अड़े हैं कि जब तक ट्रक चालक और मालिक मौके पर हाजिर नहीं किए जाते हैं, तब तक शव को सड़क से नहीं हटाया जाएगा। रात करीब आठ बजे पुलिस द्वारा ट्रक को बरामद करने के बाद लोग सड़क से हटे।

छात्रा के परिजनों की मांग थी कि ट्रक और चालक को पकड़ा जाए। ट्रक को पकड़ लिया गया है। चालक की तलाश की जा रही है। परिजनों को समझाकर जाम हटवाया गया।–विवेक यादव, एसीपी फूलपुर,

तरावीह के साथ शुरू हुआ इबादतों का दौर

प्रयागराज। रमजान को इस्लामी महीनों में सबसे पाक माह माना जाता है। चांद नमूदार होने के बाद बुधवार से तरावीह व बृहस्पतिवार को पहला रोजा के साथ इबादतों का दौर शुरू हो गया। रमजान के इबादत को दस–दस दिनों के तीन अशरे में तकसीम किया गया है। इस पाक महीने में इबादत करने पर नेकियों का दायरा भी कई गुना बढ़ा दिया जाता है। अधिकांश मस्जिदों में तरावीह की विशेष नमाज के लिए नियुक्त किए गए हाफिज–ए–कुरान द्वारा डेढ़ से दो सिपारा कुरान की तिलावत की गई है। बृहस्पतिवार को पहले रोजे के साथ ही पहले अशरा रहमत की शुरुआत हो गई। मौलाना मोहम्मद वसीम मज़ाहिरी के अनुसार हर बालिग मुसलमान मर्द और औरत पर रमजान के रोजे रखना फर्ज है। रमजान इस्लामी कैलेंडर का नवां व सबसे पाकीजा महीना है। इसी पाक महीने में अल्लाह ने अपने आखिरी पैगंबर मोहम्मद साहब पर कुरआन का नुजूल किया।

एक नेकी के बदले मिलता है 70 नेकियों का सवाब

मौलाना हफीजुर्रहमान कासमी के अनुसार रमजान की इबादत दस दस दिनों के तीन अशरों में बांटा गया है। पहला रहमत, दूसरा मगफिरत और तीसरा जहन्नम से निजात का अशरा होता है। इस महीने में की गई नेकियों का अजर बढ़ा दिया जाता है और अल्लाह रब्बुल इज्जत एक नेकी के बदले 70 नेकियों का सवाब देता है। मौलाना मोहम्मद वसीम कहते हैं कि रमजान महीने की पाकीजगी व बेशकीमती का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि अल्लाह इस महीने शैतानों को जंजीरों में जकड़ कर जहन्नुम के दरवाजे बंद कर देता है और जन्नत के दरवाजे नेक बंदों के लिए खोल देता है।

शांति से मनाएं रमजान, लाउडस्पीकर का कम प्रयोग करें रू मौलाना मुफ्ती हबीबुर्रहमान

रमजान के पाक महीने को अमन शांति से मनाएं। जहां तक हो सके लाउडस्पीकर का कम प्रयोग करें। उक्त बातें ईदगाह के पेश इमाम मुफ्ती हबीबुर्रहमान कासमी ने एक ऑडियो जारी करते हुए कही। मौलाना ने कहा कि नमाज की पाबंदी कायम करते हुए तरावीह की नमाज अदा करें। एक माह तक चलने वाला रमजान में रोजा रखा जाएगा। मुस्लिम बस्तियों में खूब चहल पहल एवं रौनक पूरे एक महीने रहेगी। शहरी के साथ शाम मगरिब में इफ्तार का किया जाता है। चांद दिखते ही मुस्लिम इलाकों में रमजान की तैयारियां तेज हो गई। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक अनिल वर्मा ने विभिन्न मोहल्ले में पैदल गस्त कर शांति सौहार्द बनाए रखने की अपील की।

सर्द मौसम में आया इबादत का महीना, तैयारियां हुई शुरू

प्रयागराज। मुस्लिम समुदाय के लिए लिए आने वाला माह–ए–रमजान इस बार राहत और सूकून की सौगात लेकर आया है। वर्ष 2026 में रमजान के आज से शुरू होने की संभावना है। खास बात यह है कि करीब 22 वर्षों बाद पहली बार रमजान की शुरूआत सर्द मौसम में होगी, जिससे रोजेदारों को लंबे रोजों के दौरान गर्मी और उमस से बड़ी राहत मिलेगी। बीते दो दशकों में रमजान के अधिकतर रोजे भीषण गर्मी में पड़े। अप्रैल–मई की तपती धूप, जून–जुलाई की उमसभरी गर्मी और अगस्त–सितंबर की चिपचिपि तपिश ने खासकर बच्चों, बुजुर्गों और बीमार रोजेदारों की मुश्किलें बढ़ा दी थी। ऐसे में ठंडे मौसम में रमजान आने से मुश्लिम समुदाय में खुशी और संतोष का माहौल है।

कोरांव के नूरी मस्जिद के इमाम मौलाना सरफुद्दीन रजवी ने बताया कि इस्लामी कैलेंडर चंद्र गणना पर अधारित होता है, जो ग्रेगोरियन कैलेंडर से लगभग 10 से 12 दिन छोटा होता है। इसी कारण रमजान हर साल कुछ दिन पहले आता है और लगभग 33 वर्षों में एक बार सभी मौसमों का चक्र पूरा करता है।

रात में खेत से पेड़ काट ले गए लकड़ी माफिया

प्रयागराज। कस्बे के निंदूरा रेलवे क्रॉसिंग के पास सोमवार रात लकड़ी माफिया ने किसान के खेत में लगे शीशम और यूकेलिप्टस के पेड़ों को काट डाले। किसान ने पुलिस को तहरीर दी है। निन्दूरा मोहल्ला निवासी मोहीउद्दीन ने पुलिस चौकी लालगोपालगंज में तहरीर देकर बताया कि उनके खेत में शीशम और यूकेलिप्टस के पेड़ लगे हुए थे। चोरों ने रात करीब 11 बजे से भोर के 4:30 बजे के बीच घटना को अंजाम दिया।

बदहाल सड़क की मरम्मत कराने की मांग

प्रयागराज। क्षेत्र के अलावलपुर में स्थित प्राथमिक विद्यालय से मुहीउद्दीनपुर गांव तक जाने वाला मार्ग खस्ताहाल है। यह सड़क फूलपुर वारी जाने वाले मुख्य मार्ग को जोड़ता है। जिससे स्कूली बच्चों और ग्रामीणों का आने–जाने में भारी परेशानी हो रही है। गांव के राम सिंह पाल, अशोक कुमार सोनी, प्रेमचंद पाल, ज्ञानचंद पटेल और लालचंद भारती आदि ने लोक निर्माण विभाग प्रयागराज से इस सड़क की मरम्मत कराए जाने की मांग की है।

अगस्त से लापता महिला का नहीं चला पता

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली तीन बच्चों की मां बीते अगस्त माह से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता है। घटना के छह माह बीत जाने के बाद भी पुलिस महिला का कोई सुराग नहीं लगा सकी है। इससे परिजनों में आक्रोश व्याप्त है। महिला के पति ने बताया कि उसकी पत्नी अचानक घर से लापता हो गई थी। काफी खोजबीन के बाद जब उसका पता नहीं चला तो उसने करछना थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई है। पति का कहना है कि वह लगातार आईजीआरएस पोर्टल और उच्चाधिकारियों से शिकायत करता रहा, लेकिन अब तक कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया है। पुलिस का कहना है कि महिला की तलाश की जा रही है।

मृतक के पिता की तहरीर पर छह नामजद

प्रयागराज। कोरांव के छापर हरदौन गांव में मंगलवार शाम जंगल में झाड़ियों के बीच पत्थर से दबा शव मिलने के बाद मंगलवार देर रात परिजन मान गए थे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। बुधवार को डाग स्कवाड और फॉरेंसिक टीम ने घटना का निरीक्षण किया और मृतक के पिता की तहरीर पर पुलिस ने छह आरोपियों के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज की है।

मृतक जितेंन्द्र कुमार कोल (22) पुत्र लोलर निवासी छापर हरदौन कोरांव बीते तीन जनवरी से लापता था। मंगलवार को हरदौन जंगल में झाड़ियों के बीच पत्थर से दबा उसका शव मिला था। परिजनों ने हत्यारोपियों की गिरफ्तार तक शव देने से मना किया तो मंगलवार देर रात एसीपी मेजा और पूर्व विधायक के समझाने के बाद उसका शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। बुधवार को मृतक के पिता लोलर आदिवासी की तहरीर पर कोरांव पुलिस ने 6 आरोपियों को नामजद कर मुकदमा दर्ज किया है। बुधवार को डाग स्कवाड और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल से नमूने संकलित किए। मृतक जितेंद्र का अंतिम संस्कार प्रयागराज में ही बुधवार शाम को कर दिया गया।

शव का पोस्टमार्टम होने के बाद परिजनों ने दाह संस्कार कर दिया है। पिता की तहरीर पर छह आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज क गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जल्द ही हत्या का खुलासा किया जाएगा। एसपी उपाध्याय, एसीपी मेजा

लाठी–डंडे एवं सरिया से हमला कार के शीशे भी तोड़े

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के जलालपुर कस्बे में बुधवार को सुबह दबंगों ने रंजिश को लेकर सौरा गांव निवासी तीन युवकों रवि शंकर पांडेय, संतोष पांडेय और अंजनी कुमार पर लाठी–डंडे एवं सरिया से हमला कर दिया। विरोध करने पर कार का शीशा भी तोड़ दिया गया। सूचना पर पुलिस पहुंची तो आरोपी भाग निकले। रवि शंकर अपने चाचा अंजनी कुमार और संतोष के साथ कार से बुधवार को सुबह 11.30 बजे जलालपुर चौरा माता के मंदिर के पास विवेचक का इंतजार करने लगे। इतने में कई लोग आए और लाठी–डंडा और सरिया से हमला बोल दिए। इसके बाद कार के आगे का शीशा भी तोड़ दिए। रवि शंकर का आरोप है कि आरोपियों ने सोने की चेन लूट ली। मामले में पुलिस ने कमल यादव, अमन यादव, जबर यादव, हरी प्रताप यादव निवासी जलालपुर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। थानाध्यक्ष उतरांव प्रीतम कुमार तिवारी ने बताया कि मारपीट हुई है। लूटपाट नहीं हुई है। जांच की जा रही है।

बालू मंडी में फायरिंग का वीडियो वायरल

प्रयागराज। सोशल मीडिया पर बुधवार को बालू मंडी में फायरिंग का वीडियो वायरल हुआ। बताया जा रहा है कि यह वीडियो गत 16 फरवरी को घूरपुर थाना क्षेत्र के बसवार गांव के सामने का है। हालांकि अखबार वीडियो की पुष्टि नहीं करता। फायरिंग का वीडियो वायरल होने से बसवार, कैनुआ कंजासा, बीरबल और जगदीशपुर आदि गांव में दहशत है। अखिल भारतीय मजदूर किसान मजदूर सभा ने भी फायरिंग की घटना की निंदा की है। एसीपी कौंधियारा अब्दुल सलाम खान से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी।

पीड़ित ने लगाया मारपीट का आरोप, प्राथमिकी दर्ज

प्रयागराज। थाना क्षेत्र मसनी निवासी पुरुषोत्तम पटेल ने मारपीट का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया है कि 15 फरवरी की रात्रि करीब नौ आरोपी शराब के नशे में गाली दे रहे थे। पीड़ित ने विरोध किया और उसे मारपीट की गई। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने गांव के पांच लोगों बड़े लाल, नरेश, अंकुश, अजय और कमलेश के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस ने बताया कि घायल को चिकित्सीय परीक्षण के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कौड़िहार भेज दिया गया।

ड्यूटी से घर लौट रहे सीआईएसएफ जवान के साथ मारपीट, शिकायत

प्रयागराज। कसारी गांव के सामने बुधवार की सुबह ड्यूटी से घर लौट रहे सीआईएसएफ जवान के साथ कुछ लोगों ने मारपीट की। सीआईएसएफ जवान ने पुलिस को तहरीर दी है। अमित कुमार निवासी करीमुद्दीनपुर थाना नवाबगंज मुंबई में सीआईएसएफ में कांस्टेबल हैं। उन्होंने पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया है कि बुधवार की सुबह प्रयागराज रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतरने के बाद कार से भाई के साथ घर आ रहे थे। बताया कि जैसे वह थाना नवाबगंज के कसारी गांव के सामने पहुंचे।

अचानक बाइक सवार सामने आ गया। कार की टक्कर से बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। पीड़ित ने बाइक चालक को नुकसान की कीमत देकर समझौता कर लिया। आरोप है कि वहां पर मौजूद कुछ लोगों ने सीआईएसएफ जवान तथा उनके भाई को धक्का देते हुए पीट दिया। प्रभारी निरीक्षक राघवेंद्र सिंह ने बताया सीआईएसएफ जवान के द्वारा घटना की तहरीर की गई है। घटना की जांच के साथ आरोपियों की तलाश की जा रही है।

दिघिया तिराहे पर ट्रेलर बेकाबू, शिव मंदिर तोड़ते हुए घर में घुसा

प्रयागराज। दिघिया तिराहा के पास मंगलवार देर रात तेज रफ्तार ट्रेलर अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार कर गया और सड़क किनारे बने शिव मंदिर को तोड़ते हुए रामआसरे यादव के मकान में जा घुसा। हादसे में मंदिर ध्वस्त हो गया और मकान का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। बताया गया कि ट्रेलर जौनपुर से कानपुर जा रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने चालक को हिरासत में ले लिया।

सीएमपी कालेज में कार्यशाला का आयोजन

प्रयागराज स सी एम पी महाविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग और इंस्टीट्यूट इनोवेशन सेल के तत्वाधान से, छात्रों के अंदर उद्यमिता कौशल विकास एवं अवसार से संबंधित जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. शिवेश गौर का स्वागत डॉ विनीता जायसवाल (समन्वयक जंतु विज्ञान विभाग) ने स्वागत किया तत्पश्चात प्रोफेसर अर्चना पांडेय (समन्वयक आई आई सी) ने आई आई सी के बारे में बताया। डॉ

हेमलता पंत ने बताया कि डॉ शिवेश इंपीरियन ग्रुप और यूनाइटेड इनक्यूबेशन हब के संस्थापक और सी ई ओ है तथा कंप्यूटर और रोबोटिक्स विशेषज्ञ है। डॉ शिवेश पशुपालन और कृषि से संबंधित इनक्यूबेशन सेंटर के बारे में बताया तथा व्यवसाय के शुरुआत में आने वाली समस्याओं और उसके निवारण के बारे में विशेष रूप से बताया। इसके अतिरिक्त उन्होंने प्रयागराज के विभिन्न इनक्यूबेशन सेंटर के बारे में भी बताया। उन्होंने बताया कि सरकार कैसे इनक्यूबेशन सेंटर के माध्यम से उद्यमिता और नवाचार में लोगों की मदद कर रही है और कैसे कोई छात्र अपने नवाचार को उद्यमिता में ला सकता है। जागरूकता कार्यशाला के समन्वयक डॉ मनोज जायसवाल ने सबको धन्यवाद ज्ञापन दिया। व्याख्यान का संचालन तहनियत ने किया। व्याख्यान के दौरान डॉ हिमानी, डॉ निधि डॉ आशीष, डॉ अजीत, डॉ चारु, डॉ ज्योति, डॉ अनुराधा तथा शोध एवम् स्नातकोत्तर के छात्र भी उपस्थित रहे। व्याख्यान के अंत में डॉ शिवेश ने अध्यापकों और छात्रों के जिज्ञासाओं का निवारण भी कियास

ऊर्जा मंत्री का विपक्ष पर तीखा प्रहार, कहा, सपा सरकारों ने यूपी को बना रखा था बीमारू- राज्य

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधानसभा की कार्यवाही के दौरान गुरुवार को ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि सपा सरकारों ने प्रदेश को बीमारू बनाकर रखा था। उन्होंने दावा किया कि

वर्तमान सरकार के प्रयासों से प्रदेश में प्रति व्यक्ति बिजली खपत 724 यूनिट तक पहुंच गई है, जो अब तक का उच्च स्तर है। प्रदेश के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है जब लगातार छह वर्षों तक बिजली दरों में एक भी पैसा वृद्धि नहीं की गई। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि यह पहली बार है जब गरीब उपभोक्ताओं को बकाया बिल जमा करने पर 25 प्रतिशत तक की छूट दी गई। साथ ही किसानों के बिजली बिल भी माफ किए गए हैं।उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार के सभी निर्णय जनता, विशेषकर पिछड़े वर्गों और पिछड़े क्षेत्रों के विद्युतीकरण को ध्यान में रखकर लिए जा रहे हैं। बिजली के निजीकरण को लेकर हो रही चर्चाओं पर मंत्री ने कहा कि सरकार जो भी कदम उठाएगी, वह प्रदेश और कर्मचारियों के हित में होगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष कर्मचारियों के हितों की बात करता है, लेकिन पिछले छह वर्षों में एक भी कर्मचारी ने हड़ताल नहीं की है। ऊर्जा मंत्री ने सदन में कहा कि प्रदेश के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है जब लगातार छह वर्षों तक बिजली दरों में एक भी पैसा वृद्धि नहीं की गई। उनका दावा था कि 2017 के बाद पहली बार प्रदेश के हर नागरिक तक बिजली पहुंचाने का काम किया गया है और अब लोगों को निर्बाध आपूर्ति मिल रही है। उन्होंने कहा कि ष्डबल इंजनष सरकार के प्रयासों से उत्तर प्रदेश देश में सर्वाधिक बिजली आपूर्ति करने वाला राज्य बना है और ऊर्जा क्षेत्र में प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

आत्मनिर्भर युवा तैयार करना सरकार की प्राथमिकता : कपिल देव अग्रवाल

लखनऊ, संवाददाता। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने विधानसभा में आज प्रश्नों का उत्तर देते हुए स्पष्ट किया कि कौशल विकास विभाग के अंतर्गत सीधी सरकारी नौकरी देने का कोई प्रावधान नहीं है। सरकारी सेवाओं में नियुक्ति प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से ही होती है और यही व्यवस्था सभी शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण संस्थानों पर समान रूप से लागू है।उन्होंने बताया कि विभाग का मुख्य फोकस युवाओं को उद्योगों की मांग के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार योग्य बनाना है। औद्योगिक संगठनों और इंडस्ट्री एसोसिएशनों के साथ नियमित समन्वय स्थापित कर प्रशिक्षित युवाओं को निजी क्षेत्र में अवसर दिलाने की दिशा में काम किया जा रहा है। प्रशिक्षण साझेदारों को लक्ष्य दिया गया है कि कम से कम 70 प्रतिशत प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार से जोड़ा जाए। युवाओं को रोजगार से सीधे जोड़ने के लिए प्रत्येक नोडल आईटीआई में मासिक रोजगार मेले आयोजित किए जाते हैं, जबकि प्रत्येक तीन माह पर मंडल स्तरीय रोजगार मेले आयोजित होते हैं। प्रदेश में पांच बड़े रोजगार मेलों के आयोजन की योजना है, जिनमें प्रतिष्ठित कंपनियों की भागीदारी होगी। सरकार का उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना, उनका आत्मविश्वास बढ़ाना और उन्हें हुनरमंद बनाकर रोजगार उपलब्ध कराना है। कौशल विकास योजनाओं के माध्यम से युवाओं को व्यापक अवसर प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

लखनऊ में मनरेगा बचाओ संग्राम, लाठीचार्ज के विरोध में कांग्रेस का सत्याग्रह

लखनऊ, संवाददाता। मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत 17 फरवरी को विधानसभा घेराव कार्यक्रम के दौरान हुए लाठीचार्ज के विरोध में आज प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में सत्याग्रह किया गया।कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं पर भाजपा सरकार के इशारे पर पुलिस प्रशासन ने लाठीचार्ज किया, जिसमें कई कार्यकर्ता और शीर्ष नेता घायल हो गए। इस घटना को लेकर कांग्रेस में आक्रोश व्याप्त है। आज सुबह 10.30 बजे पीसीसी मुख्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष सत्याग्रह आयोजित किया गया।

ईश्वर शरण महाविद्यालय में मिशन शक्ति/फेज 6.0 (आउटरीच कार्यक्रम) का आयोजन

प्रयागराज । ईश्वर शरण महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आज दिनांक 19 फरवरी 2026 को विगत पिछले वर्षों की भांति षमिशन शक्ति / फेज 6.0 (आउटरीच कार्यक्रम)ष पर संगोष्ठी/ परिचर्चा एवं मलिन बस्तियों में स्वयंसेविकाओं द्वारा सेनेटरी पैड वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर आनंद शंकर सिंह जी ने की। उन्होंने कहा कि मानव जाति का अस्तित्व स्त्रियों से ही है, वह जननी और पालन – पोषणकर्ता है। इसके साथ ही उन्होंने स्त्रियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा, साहस व निर्भीकता पर अपनी बेबाक राय रख छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। तत्पश्चात कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉक्टर विजयलक्ष्मी सक्सेना, असिस्टेंट प्रोफेसर, सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज ने कहा कि मिशन शक्ति जैसे कार्यक्रम स्त्री सशक्तिकरण के लिए चलाए जाते हैं जिससे महिलाओं को सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, आर्थिक सहभागिता प्राप्त हो सके। उन्होंने महिला सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण के कुछ वार्षिक योजनाओं के बारे में बात की। उन्होंने रेडिकल फेमिनिज्म अर्थात कट्टरपंथी नारीवाद, पितृसत्ता,महिलाओं से संबंधित प्रमुख मुद्दे, विभिन्न सामाजिक कार्यों में उनकी भूमिका तथा प्राचीन काल से लेकर वर्तमान काल तक महिलाओं के बिगड़ते, बदलते,

सुधरते स्वरूप पर चर्चा की साथ ही कहा कि स्त्रियों को खुद के लिए खड़ा होना ही पड़ेगा जब तक ऐसा नहीं करेंगे तब तक कुछ नहीं हो सकता है।

इसके बाद महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉक्टर अरविंद कुमार मिश्र ने महिलाओं के स्वास्थ्य एवं सशक्तिकरण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिलाओं का स्वास्थ्य और उनकी शक्ति एक दूसरे से गहरे रूप से संबंधित हैं,एक स्वस्थ महिला ही एक सशक्त परिवार और समाज का निर्माण कर सकती है अतः सरकारी योजनाओं के साथ ही हमें अपने स्तर पर भी उन्हें सशक्त बनाने का प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ कृष्णा सिंह ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर शैलेश यादव ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ रुचि गुप्ता, डॉ रेफाक अहमद, डॉ आलोक मिश्रा एवं महाविद्यालय के सभी ईकाइयों के स्वयंसेवक व स्वयंसेविकाओं की उपस्थिति रही।कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि द्वारा महाविद्यालय की छात्राओं में सेनेटरी पैड का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दूसरे चरण में सभी स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओ द्वारा मलिन बस्तियों में जाकर नारी शक्ति, सम्मान,सुरक्षा, स्वास्थ्य व सफाई के संबंध में जागरूकता फैलाते हुए बस्ती की महिलाओं में सेनेटरी पैड का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अस्मिता पटेल, विपिन यादव, कुमारी निधि,अमित रायसे, शिक्षा पटेल, अभय प्रताप सिंह, आकांक्षा त्रिपाठी, अंशिका गौतम, सोनम देवी, ज्योति मौर्य आदि की सक्रिय व सराहनीय भूमिका रही।

घर के सफल होने के लिए घर की महिला का सफल होना अनिवार्य – डॉ. मनमोहन वैद्य

गंगानाथ झा परिसर में तरुणी विद्यार्थी संवाद कार्यक्रम का आयोजन

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भारतीय ज्ञान परम्परा केन्द्र, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज, एवं राजेन्द्र सिंह (रज्जू भइया) स्मृति सेवा न्यास के संयुक्त तत्त्वावधान में "तरुणी विद्यार्थी संवाद" कार्यक्रम का आयोजन परिसरीय सभागार में सम्पन्न हुआ। संवाद कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं वक्ता नागपुर से आये न्यूक्लियर रसायन के मर्मज्ञ आरएसएस के पूर्व सह–सहकार्यवाह एवं पूर्व अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख रहे तथा वर्तमान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. मनमोहन वैद्य ने अपनी पुस्तक ष्म ंदक जीम ॅवतसक ।तवनदकष के सन्दर्भ में देश के विषय में सारगर्भित चर्चा की। प्रयागराज के विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं से संवाद करते हुए उन्होंने "भारत देश कैसा है एवं उसके विषय में किस प्रकार जानकारी प्राप्त की जा सकती है" प्रश्न के साथ चर्चा का आरम्भ किया। अपने संवाद में उन्होंने समय के प्रबन्धन, समाज को जोड़ने हेतु सम्भव प्रयासों की विशेष चर्चा की। अपने भावपूर्ण वक्तव्य में उन्होने सीखने की प्रवृत्ति को शिक्षा से प्रथक एवं सतत् प्रक्रिया बताते हुए भारतीयता की पहचान को प्रबल बनाये रखने का आह्वान किया। डॉ. वैद्य ने जन्मतिथि को हिन्दी पंचांग के अनुसार मनाने का तार्किक पक्ष रखते हुए इस विषय में सार्थक चर्चा की। अपने संवाद के अन्तर्गत उन्होंने सामाजिक लीडरशिप पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने की। कार्यक्रम का संयोजन परिसर के सहनिदेशक प्रो. देवदत्त सरोदे ने किया। परीक्षा के इस कठिन समय में विद्यार्थियों के साथ होने वाले संवाद में परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने विद्यार्थियों के सम्मुख लक्ष्य निर्धारित करते हुए अध्ययन की सलाह दी। कार्यक्रम में राजेन्द्र सिंह (रज्जू भइया) समृति न्यास की ओर से कार्यक्रम में अनेकों विद्वतजन सम्मिलित रहे। तरुणी विद्यार्थी संवाद के उपरान्त परिसर में गंगानाथ झा परिसर एवं राजेन्द्र सिंह (रज्जू भइया) समृति न्यास के संयुक्त तत्त्वावधान में शिक्षक संवाद कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। उक्त संवाद कार्यक्रम में प्रयागराज की विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के अनेकों शिक्षक सम्मिलित रहे।

परिसर के जनसम्पर्क अधिकारी राजेश कान्त तिवारी के अनुसार उक्त संवाद सत्र में प्रयागराज के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों, आदर्शविद्यालयों की छात्राओं ने अत्यन्त उपयोगी संवाद किया। कार्यक्रम में अनेकों शिक्षक–शिक्षिकाएँ एवं प्रबुद्धजन सम्मिलित रहे। इस अवसर पर प्रो. रामकृष्ण परमहंस, डॉ. सुरेश पाण्डेय, डॉ. श्यामसुन्दर पाण्डेय, राजेशकान्त तिवारी समेत परिसरीय अन्य अधिकारी, कर्मचारी गण तथा विभिन्न विद्यालयों से संवाद कार्यक्रम में भाग लेने आने वाले छात्र–छात्राएँ बड़ी संख्या में समुपस्थित रहे।

आश्वासन मिलने पर भाकियू अन्नदाता के किसानों ने चौथे दिन धरना किया स्थगित

ग्राम किशनपुर एवं अन्य ग्रामों की 13 सूत्रीय मांगों को लेकर बीडीओ प्रतिनिधि प्रवीण यादव को सौंपा ज्ञापन

मथुरा। विकास खण्ड बलदेव कार्यालय पर भारतीय किसान यूनियन अन्नदाता ने गुरुवार को चौथे दिन धरना प्रदर्शन को खण्ड विकास अधिकारी नेहा रावत के आश्वासन पर स्थगित कर दिया। भाकियू अन्नदाता के जिलाध्यक्ष जीतू जोशी के नेतृत्व में किसानों ने 13 सूत्रीय

मांगों को लेकर ग्राम किशनपुर एवं अन्य ग्रामों की जनसमस्याओं के सम्बन्ध में खण्ड विकास अधिकारी के प्रतिनिधि प्रवीण यादव को ज्ञापन सौंपा। भारतीय किसान यूनियन अन्नदाता के जिलाध्यक्ष जीतू जोशी ने बताया कि खण्ड विकास अधिकारी के आश्वासन पर धरना प्रदर्शन स्थगित किया गया है।गांव किशनपुर एवं अन्य ग्रामों में लंबे समय से बुनियादी सुविधाओं की समस्याएं बनी हुई हैं, जिनमें प्रमुख रूप से दलित मोहल्ले में बनी पोखर की सफाई कराना,खड़ंजा निर्माण, जल निकासी व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, शहीद स्मारक निर्माण जैसी मांगें शामिल हैं। इन समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर किसान धरना प्रदर्शन कर रहे थे। धरने के दौरान खण्ड विकास अधिकारी ने किसानों से वार्ता की और उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। खण्ड विकास अधिकारी के आश्वासन के बाद किसानों ने फिलहाल कुछ दिनों के लिए धरना प्रदर्शन स्थगित कर दिया है।किसान नेताओं ने कहा कि यदि निर्धारित समय सीमा में समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो वे पुनः आंदोलन शुरू करेंगे। इस दौरान रतन सिंह, गजाधर, संजय पाठक, ज्वाला सिंह, टीकम पाराशर, उमेश पाराशर, रघुवीर सिंह,दीपचंद, पटेल सिंह, वीरों सिंह, सिंधी, विनीत उपाध्याय, किशन सिंह,ओमा, हरिओम एवं श्याम सुंदर आदि रहे।

फागुन का इतिहास

(छप्पय)

सुनकर लगा अज़ीब लड़ी आँखों से आँखें।
दुश्मन मिलते गले प्यार को दिल में राखें।
सुन्दर फागुन दिवस गगन गुल को बरसता।
हर दिन की बस आस उसे हरदम हरषाता।
रंगों का त्यौहार है मीठी मीठी बात है
खुशियों के नवपर्व का आया नया प्रभात है।।

फागुन का इतिहास बताता छपते–छपते।
गाली का गुणगान जहाँ पर सब हैं करते।
अलगौझी का द्वार सदा शर्मिंदा होकर।
पट को करता बंद लगी जब उसको ठोकर।
हुल्लड़ में भी प्यार है रीत और व्यवहार है।
सचमुच इस त्यौहार का अद्भुत रंग विचार है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

सोहबतिया बाग स्थित मलिन बस्ती में स्वच्छता रैली एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

प्रयागराजसआज सी.एम.पी. डिग्री कालेज, प्रयागराज में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई संख्या 28 द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम का शुभारम्भ लक्ष्य गीत से प्रारम्भ किया गया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर चन्दन कुमार ने स्वयंसेवकों को स्वच्छता एवं उससे जुड़ी हुई अन्य

जानकारियां बताई तथा कार्यक्रम अधिकारी के ही नेतृत्व में छात्रों ने स्वच्छता रैली का आयोजन किया।

कार्यक्रम के दूसरे चरण में सरकार के द्वारा बनाई गई स्वच्छता एवं गरीबी उन्मूलन से संबंधित विभिन्न योजनाओं की जानकारी स्वयंसेवकों ने मलिन बस्ती के घर–घर जाकर दी एवं सरकारी योजनाओं का लाभ पाने के लिए क्या प्रक्रिया है, उस प्रक्रिया के बारे में भी मलिन बस्ती के प्रत्येक घर में स्वयंसेवकों ने जानकारी दी।

कार्यक्रम के तीसरे चरण में सभी स्वयंसेवक एक स्थान पर समवेत हुए एवं फील्ड में अपने द्वारा प्राप्त अनुभवों को आपस में साझा किया एवं आने वाले समस्याओं के निवारण के विभिन्न विकल्पों पर सार्थक चर्चा की। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र गान से किया गया।

उत्तर मध्य रेलवे
ई-निविदा संख्या : GSU-ST-CCTV-2-2026 दिनांक: 17.02.2026
ई-निविदा सूचना
डिप्टी सीएसटीई गति शक्ति यूनिट (सिग्नल और टेलीकम्युनिकेशन) के द्वारा, उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज, भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से, निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित फॉर्म पर खुली ई-निविदा, वर्णित खुलने की तिथि को 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण इस प्रकार है:
निविदा संख्या : 2, कार्य का विवरण: जीएसयू/प्रयागराज डिवीजन द्वारा निष्पादित कार्यों के लिए निर्माणाधीन आरओबी/आरयूबी (08 संख्या) की सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी।
काम की अनुमानित लागत : ₹ 23,04,430.8 | निविदा खुलने की तिथि: 10.03.2026
अग्रिम राशि : ₹ 46,100.0 | समापन अवधि : 1 Month | निविदा प्रपत्र की लागत : 0.00
निविदा प्रपत्र की उपलब्धता: निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
निविदा खुलने का समय तथा स्थान: निविदा ई-निविदा के माध्यम से मंडल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में 12:30 बजे या उसके बाद खोली जाएगी। यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश होता है, तो निविदाएं अगले कार्य दिवस को खोली जाएंगी। 374/26 (MG)
North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे
टेण्डर संख्या-230-वि0/कवि0/प्रयागराज/ई-टेण्डर/2026/616 दिनांक: 17.02.2026
ई-निविदा सूचना
वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क0वि0/आ0म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है:-
निविदा सं0: 230-क0वि0-कार्य ठेका-1007-2026
कार्य का विवरण: प्रयागराज मंडल के सिराथू (SRO) स्टेशन पर पुराने एफओबी को 6.10 मीटर नए एफओबी से बदलने और कनवार (KUW) और सुजातपुर (SJT) स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म को ऊंचा करने के कारण 25 केवी ओएचई में संशोधन का कार्य।
अनुमानित लागत: रु. 1,03,02,269.57 | बिड सुरक्षा राशि: रु. 2,01,500.00
कार्य अवधि: 12 महीना | बोली प्रणाली: एक पैकेट
निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय: 10.03.2026, 14:00 बजे
निविदा खुलने की तिथि तथा समय: 10.03.2026, 15:00 बजे
नोट:- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 378/26 (ADM)
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे
टेन्डर संख्या: 230-वि0/कवि0/प्रयागराज/ई-टेण्डर/2026/617 दिनांक: 17.02.2026
ई-निविदा सूचना
वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क0वि0/उ0म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है-
निविदा सं0: 230-क0वि0-कार्य ठेका-1006-2026
कार्य का विवरण: प्रयागराज मंडल के सूबेदारगंज (SFG) स्टेशन पर स्टेबलिंग लाइनों के प्रावधान के कारण 25 केवी ओएचई संशोधन और विद्युतीकरण का कार्य।
अनुमानित लागत: ₹ 4,50,12,225.80 | बिड सुरक्षा राशि: ₹ 3,75,100.00
कार्य अवधि: 12 महीना | बोली प्रणाली: एक पैकेट
निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय: 10.03.2026, 14:00 बजे
निविदा खुलने की तिथि तथा समय: 10.03.2026, 15:00 बजे
नोट:- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि व अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 377/26 FA
North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

अब कड़वे फैसले ही गढ़ेंगे हिमाचल का भविष्य

हिमाचल समेत 17 राज्यों में केंद्र सरकार की विशेष दरियादिली यानी राजस्व घाटा अनुदान (आर.डी.जी.) खत्म होने के बाद अब वक्त आ गया है, जब राज्य सरकारें आर.डी.जी. से आगे का सोचें, खासकर हिमाचल जैसा छोटा सा राज्य। वित्तीय नजाकत को समझते हुए वर्तमान कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री ने सत्ता संभालते ही कुछ फैसलों के कड़वे घूंट पी लिए थे, ताकि खजाने में थोड़ा सुधार हो, लेकिन यही काम पूर्व में रही भाजपा या कांग्रेस सरकारों ने कर लिया होता तो इस बदहाली की नौबत न आती। खैर, अब आर.डी.जी. बंद हो गई है, पिछली सरकारों द्वारा लिए गए कर्ज का आंकड़ा 1 लाख करोड़ पार कर गया है, जिसका ब्याज चुकता करते–करते किसी भी दल की सरकार के पसीने छूटेंगे। दूसरे आध्थक मुद्दे भी हैं जिन पर वर्तमान की कांग्रेस सरकार अंगारों पर चल रही है। इसलिए अब आर.डी.जी. से आगे कदम बढ़ाने व स्व–साधन विकसित करने का वक्त है और संकट की इस घड़ी में सरकारी कर्मियों को ही योद्धा बनकर चलना होगा ताकि गैर सरकारी जनता भी स्वयं को बेहतर स्थिति में ला सके। इसलिए मुफ्त की योजनाओं से इतर विकास के नए अवसरों को झटपट पाना और कठोर निर्णय लेना, वक्त की जरूरत बनी है। वरना राज्य का आगे चल पाना, यानी बुनियादी कामों का होना भी दुश्वार होगा। बहरहाल सुधारों का पिटारा तत्काल प्रभाव से सुक्खू सरकार को शुरू करना चाहिए। इसमें पहल चुने हुए प्रतिनिधियो से ही करनी चाहिए, जिन्हें हर टर्म की अलग पैंशन मिलती है और कुछ–कुछ अंतराल के बाद वेतन–भत्ते भी बढ़ते रहते हैं। खासकर हर बार की चुनावी रिटर्न में कुछ की करोड़ों की भारी बढ़ौतरी देखी गई है। दूसरा, यदि पैंशन के मामले में देनदारी खासी बढ़ गई है, तो इस विषय में पुनर्विचार करना भी एक व्यावहारिक फैसला हो सकता है, क्योंकि पैंशन व एरियर से भी राज्य के खजाने को बहुत बड़ी मार मिल रही है। इस विषय में विपक्ष को भी राजनीति से दूर व्यावहारिक नजरिया रखना होगा क्योंकि गत वर्षों की प्रदेश की ऋण स्थिति, वेतन, एरियरों व डी.जी.पी. के साथ सभी सरकारों के निर्णय पर गौर करें तो कोई भी एक दल या पार्टी विशेष कटघरे में खड़ी नहीं होती बल्कि सभी होते हैं। क्योंकि गत ढाई दशकों में सबसिडी आधारित राजनीति सभी ने की। कर्ज सभी ने लिए। राजस्व सुध्ाारों की कमी सभी स्तरों पर रही। वास्तव में हिमाचल बिना केंद्र की मदद के खुद तेजी से विकसित इसलिए नहीं हो सकता क्योंकि यह पहाड़ी राज्य है। प्रेम कुमार धूमल का 2 टर्म का कार्यकाल रहा। अब सभी मुख्यमंत्रियों का वर्ष 2000 से आगे के अनुमानित कर्ज आंकड़ों में अपने आप में काफी कुछ कहता है। प्रेम कुमार धूमल 14000 करोड़ रुपए का कर्ज, वीरभद्र सिंह के 2 कार्यकालों में 21500 करोड़ रुपए, जयराम ठाकुर के एक कार्यकाल में 22000 करोड़ रुपए (कोरोना काल) और सुखविंदर सिंह सुक्खू के 3 वर्ष के कार्यकाल में अनुमानित 18000 करोड़ रुपए (आपदा काल) ऋण लिया गया। इस तरह सुक्खू सरकार में, पिछली सरकारों का लिया हुआ कर्जा समेत मिलाकर करीब 1 लाख करोड़ आ गया। ऐसे में आर.डी.जी. का बंद होना भी वज्रपात ही है। यह विडंबना है कि सभी को मालूम था कि हालात खराब हो रहे हैं। सी.ए.जी. ने भी स्पष्ट कर दिया था कि असंतुलन तेजी से हो रहा और आमदनी धीमी है। आयकर कम है, तब कर्ज लेना पड़ा। यानी खर्च बढ़ा, राजस्व नहीं। जो ऋण लिया वह सैलरी–पैंशन पर गया, इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास नहीं हुआ। हर सरकार के समय पर सबसिडी की मार प्रदेश को झेलनी पड़ी। प्रेम कुमार धूमल के समय 5वां, 6वां वेतन आयोग लागू किया। बिजली व किसानों की सबसिडी, नए मंडल, उपमंडल खोलना, कर्ज आधारित विकास मॉडल बना। वीरभद्र ने बड़े पैमाने पर सरकारी भर्तियां कर दीं। सामाजिक पैंशन विस्तार, बोर्ड निगम घाटे में। जयराम ठाकुर ने बिजली 125 यूनिट मुफ्त की, कोरोना काल में उधारी बढ़ी, राजस्व गिर गया, वेतन आयोग का एरियर मिलता रहा। सुक्खू सरकार में ओ.पी.एस. ने तगड़ा झटका दिया। कर्ज का ऋण देते रहे और दो बड़ी आपदाओं में पुनर्वास में भारी खर्च हुआ। ओ.पी.एस. इस समय ऋण क्षमता को 1800 करोड़ कम कर देता है।

आयातित विदेशी हथियारों पर भारत की निर्भरता चिंता की बात

नन्तू बनर्जी

भारतीय रक्षा मंत्रालय की फ्रांस से 114 राफेल फाइटर जेट खरीदने की नई मंजूरी से ज़्यादा उत्साहित होने की कोई बात नहीं है, जिसकी कीमत 3.

25 लाख करोड़ रुपये (लगभग 40 अरब डॉलर) है, जिसे सभी डिफेंस डील्स की सबसे बड़ी डील कहा जा रहा है। यह बड़ी चिंता की बात है कि देश की आजादी के 78 साल बाद भी, यूक्रेन की तरह भारत को भी अपनी आजादी की रक्षा के लिए आयातित हथियारों पर निर्भर रहना पड़ता है– फ्रांस से राफेल, संयुक्त राज्य अमेरिका से पोसाइडनजेट, और रूस से एस–400ट्रायम्फ जैसे कई दूसरे हथियार। यहां तक कि उन क्षेत्रों जहां भारत विदेशी सहयोग से रक्षा उपकरण बना रहा है, में भी देश अभी भी विदेशी सबसिस्टम पर बहुत ज़्यादा निर्भर है। हालांकि एयरक्राफ्ट और जहाज जैसे प्लेटफॉर्म भारत में असेंबल किए जा सकते हैं, लेकिन जरूरी हाई–एंड कंपोनेंट अभी भी आयातित किए जाते हैं, जिससे आपूर्ति श्रृंखला कमजोर हो जाती है। पिछले कुछ सालों में, भारत ने कई राफेल सौदे किए हैं। इनमें लगभग 7.87 अरब यूरो (लगभग 58,891 करोड़ रुपये) के 36जेट शामिल हैं और हाल ही में भारतीय नौसेना के लिए 26 नेवल वेरिएंट के सौदे हुए हैं, जिसकी कीमत 64,000 करोड़ रुपये है। भारत में बने जेट के साथ क्वालिटी एश्योरेंस के मुद्दों पर कई सालों तक बातचीत चलने के बाद भारत ने 2015 में फ्रांस से 126 राफेल फाइटर खरीदने के समझौते को रद्द कर दिया था। 1950 में, पड़ोसी चीन की अर्थव्यवस्था और रक्षा भारत की तुलना में बहुत कमजोर थी। आज, चीन खुद को अमेरिका और रूस के बाद दुनिया की सबसे सेल्फ–प्रोपेल्ड घातक मिलिटरी ताकतों में से एक मानता है। भारत के आयात पसंद करने वाले राजनीतिक शासकों की वजह से, देश को एडवांस्ड मिलिट्री टेक्नालॉजी, खासकर जेट इंजन, एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्डएरे (एईएसए) रडार, मिसाइल सीकर और स्टील्थ टेक्नालॉजी विकसित करने में बड़ी कमियों का सामना करना पड़ रहा है। भारत का रक्षा अनुसंधान और विकास खर्च दूसरे देशों के मुकाबले बहुत कम है। डीआरडीओ को 2025–26 में कुल रक्षा बजट का सिर्फ 3.94 प्रतिशत मिलेगा। लंबे खरीद चक्र और आर एंड डी परियोजनाओं में बहुत ज़्यादा देरी से आधुनिकीकरण में रुकावट आ रही है। भारत के पास यूएवी, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर और इलेक्ट्रो–ऑप्टिक्स जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के लिए काफी, विश्व स्तरीय परीक्षण अवसंरचना भी नहीं है, जिससे देशी उत्पादनों के विकास और प्रमाणीकरण में कमी आ रही है। भारत के लगभग 80 प्रतिशत रक्षा उपकरण रूस के होने के कारण, रूस देश की रक्षा क्षमताओं का एक अहम हिस्सा बना हुआ है। रूस तब सामने आया जब पश्चिमी मिलिटरी ताकतों ने भारत को हाई–एंड हथियार आपूर्ति करने से लगभग मना कर दिया था। भारत–रूस रक्षा भागीदारी सिर्फ खरीदार–विक्रेता संबंध से बढ़कर संयुक्त विकास और उत्पादन तक फैली हुई है। भारत में मौजूद बड़े खतरनाक रूसी प्लेटफॉर्म में सुखोई एसयू–30एमकेआई (जो रूस की मदद से भारत में बना), टी–905 भीष्मच और टी–22मुख्य लड़ाकू टैंक, ब्रह्मोसक्रूज मिसाइल, रूस में बनी सबमरीन, जिसमें लीज पर लिए गए न्यूक्लियर–पावर्ड जहाज (अकुला–2) और आईएनएस विक्रमादित्य जैसे एयरक्राफ्ट कैरियर और बहुत ज़्यादा इस्तेमाल होने वाले एमआई–17परिवहन हेलीकॉप्टर शामिल हैं। लंबे समय तक, भारत ने अपने निजी क्षेत्र को रक्षा उत्पादन में आने नहीं दिया, हालांकि वह हथियारों और गोला–बारूद के आयात के लिए विदेशी निजी कंपनियों के साथ सौदा करने में हमेशा खुश था। इत्तेफाक से, डसॉल्ट एविएशन का मालिकाना हक मुख्य रूप से एक फ्रेंच फैमिली होल्डिंग कंपनी, ग्रुप इंडस्ट्रियल मार्सेलडसॉल्ट (जीआईएमडी) के पास है। कंपनी पर परिवार का कड़ा नियंत्रण है, जिसके पास लगभग 67प्रतिशत इक्विटी शेयर हैं। एयरबस के पास लगभग 10प्रतिशत शेयर हैं। भारत में रक्षा विनिर्माण में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 2024–25 में कुल उत्पादन का सिर्फ 23प्रतिशत थी, जिसमें ज़्यादातर लो–एंड उत्पादन थे। यूएवी, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर और इलेक्ट्रो–ऑप्टिक्स जैसी अत्याधुनिक प्रद्योगिकी के लिए विश्वस्तरीय परीक्षण अवसंरचना की कमी से देशी उत्पादन के विकास और प्रमाणीकरण में देरी होती है। शुरू में, चीन भी रूसी रक्षा आपूर्ति पर निर्भर था। लेकिन, कम्युनिस्ट शासन ने रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता को बहुत प्राथमिकता दी और सालों से रक्षा उत्पादनों की हाई–एंड मैन्युफैक्चरिंग के लिए दुनिया भर में एक बड़ा दावेदार बन गया। चीन का एक लो–टेक हथियार आयातक से एक हाई–एंड देशी डिफेंस मैन्युफैक्चरर और निर्यातक बनना एक लंबे समय की, सरकार की बनाई रणनीति से हुआ है, जिसमें अनुसंधान और विकास में भारी निवेश, इंटेंस मिलिट्री–सिविल फ्यूजन (एमसीएफ), और विदेशी प्रौद्योगिकी का लक्षित प्रदर्शन शामिल है। पिछले दस सालों में, चीन दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा हथियार निर्यातक बनकर उभरा है, जिसके पास स्टील्थ फाइटर्स (जे–20, जे–35), एयरक्राफ्ट कैरियर (फुजियान), और हाइपरसोनिक मिसाइलों की क्षमता है जो पश्चिमी प्रौद्योगिकी की बेहतरी को चुनौती देते हैं। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिप्री) के वैश्विक हथियारों के हस्तांतरण, निर्यात मात्रा और अतिविकसित सैन्य प्रौद्योगिकी के विकास के आंकड़े के आधार पर, हाई–एंड डिफेंस इक्विपमेंट (2020–2024) बनाने वाले सर्वोच्च 10 देशों में एयरोस्पेस, नेवल और मिसाइल प्रौद्योगिकी में भारी निवेश करने वाली बड़ी ताकतें सबसे ज़्यादा हैं। ये देश हैंरू यूनाइटेड स्टेट्स, फ्रांस, रूस, चीन, जर्मनी, इटली, यूनाइटेड किंगडम, इजराइल, स्पेन और साउथ कोरिया। हालांकि, भारत अभी भी चीन और पाकिस्तान जैसे बहुत ज़्यादा लड़ाकू पड़ोसियों से अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए बहुत ज़्यादा विदेशी आयात पर निर्भर है। स्वदेशीकरण के तथाकथित दबाव के बावजूद, भारत, चीन और पाकिस्तान से दोहरे खतरों का मुकाबला करने के लिए जरूरी प्रौद्योगिकी, जेट और इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए भी काफी हद तक विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भर है। यह निर्भरता सीमा विवाद, सीमा पार से आतंकवाद और अस्थिर पड़ोसी के साथ बनी हुई है। जबकि 3,488 किलो मीटर भारत–चीन सीमा (एलएसी) पर तनाव सालों से बना हुआ है, पाकिस्तान से भी सीमा–पार आतंकवाद के लिए लगातार तैयार रहने की जरूरत है। अब समय आ गया है कि भारत अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए हाई–एंड घरेलू रक्षा विनिर्माण में बड़ा निवेश करे। हाई–एंड सैन्य प्रौद्योगिकी में अंतर को कम करना अब देश के लिए एक असली चुनौती है।

असमः चुनावी खेल में संविधान तार-तार

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वासरमा मुस्लिम विरोधी अपने बयानों के लिए अक्सर सुर्खियों में आ जाते हैं। भाजपा ने उन्हें असम में मुख्यमंत्री क्यों बनाया है और क्यों वो मोदी–शाह की आंखों के तारे बने हुए हैं, यह समझना कठिन नहीं है। हिमंता बिस्वासरमा का बस चले तो असम को वे देश का पहला हिंदू राज्य घोषित कर दें, क्योंकि बार–बार लगातार उनके बयानों में यही संदेश सामने आता है कि मुसलमानों को राज्य से बाहर किया जाए। अभी कुछ दिनों पहले हिमंता बिस्वासरमा का एक वीडियो भी काफी वायरल हुआ था, जिसमें वो मुसलमान दिख रहे लोगों पर निशाना साध ा रहे थे। असम की भाजपा ईकाई ने यह वीडियो जारी किया था और इसमें ऊपरी तौर पर घुसपैठियों को बाहर करने का संदेश था, लेकिन असल निशाना अल्पसंख्यक समुदाय पर ही था। और जहां तक घुसपैठियों को बाहर करने या उन पर कार्रवाई करने का सवाल है, तो यह काम भी कानून के दायरे में होना चाहिए। अगर सत्ता पर बैठा शख्स हाथ में बंदूक लेकर इंसाफ करने निकल पड़े तो फिर देश में अदालतों की जरूरत ही क्या होगी। अफसोस इस बात का है कि सुप्रीम कोर्ट की राय इस बारे में अलग है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को हिमंत बिस्वासरमा के खिलाफ वायरल वीडियो पर कार्रवाई की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। देश के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की बेंच ने याचिकाकर्ताओं से गुवाहाटी हाई कोर्ट जाने को कहा। कोर्ट ने यह भी कहा कि चुनावों से पहले ऐसे कई मामले सामने आते हैं। यह एक चलन बनता जा रहा है। असम में आने वाले विधानसभा चुनावों का जिक्र करते हुए कोर्ट ने कहा कि समस्या यह है कि चुनाव का एक हिस्सा उससे पहले लड़ा जाता है। इस बात पर कोई दो राय नहीं है कि चुनावों में विरोधी पर वार करने के लिए कई बार कानूनी लड़ाइयों का सहारा लिया जाता है।

बल्कि मोदी के शासनकाल में तो जांच एजेंसियों का भी खुला इस्तेमाल होने लगा है। लेकिन असम का यह मामला कल्पना से उपजा आरोप नहीं है, बल्कि हिमंता बिस्वासरमा ने जिस तरह मुसलमान को बंदूक की नोक पर रखा है, वह बेहद गंभीर मामला है, क्योंकि इसमें न केवल कानून और संवैधानिक पद की मर्यादा का मखौल उड़ाया गया है, बल्कि भारत की ध र्मनिरपेक्षता के चिथड़े–चिथड़े करने की मानसिकता झलकी है। गौरतलब है कि 8 फरवरी को कांग्रेस ने दावा किया कि असम भाजपा के एक्स हैंडल से एक वीडियो पोस्ट किया गया जिसमें असम सीएम हिमंत बिस्वासरमा मुसलमानों को गोली मारते दिख रहे हैं। कांग्रेस ने कहा कि ये वीडियो अल्पसंख्यकों की टार्गेटेड पॉइंट–ब्लैंक हत्या को बढ़ावा देने जैसा है। कांग्रेस का दावा है कि वीडियो डिलीट कर दिया गया है। लेकिन कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत के एक्स हैंडल पर दिख रहे वीडियो में नजर आ रहा है कि असम मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वासरमा कथित तौर पर एक राइफल से निशाना साधते और दो लोगों पर गोली चलाते हुए दिख रहे थे। निशाने में दिख रही तस्वीर में एक ने टोपी पहनी थी और दूसरे की दाढ़ी थी। इसका कैप्शन पॉइंट–ब्लैंक शॉट था। श्रीनेत ने इस वीडियो को शेयर करते हुए पूछा था कि क्या अदालतें और अन्य संस्थाएं सो रही हैं? वहीं कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने कहा था कि यह नरसंहार का आह्वान करने के अलावा और कुछ नहीं है। एक ऐसा सपना जिसे यह फासीवादी शासन दशकों से पाले हुए है। श्री बिस्वासरमा के इस वीडियो पर कांग्रेस, आरजेडी, शिवसेना समेत कई विपक्षी दलों ने आलोचना कर कार्रवाई की मांग की थी। लेकिन हिमंता बिस्वासरमा पर कोई फर्क नहीं पड़ा था। उनका कहना था कि जेल जाने के लिए तैयार रहूंगा, लेकिन घुसपैठियों का मुद्दा नहीं छोड़ूंगा। जिस तरीके से हिमंता बिस्वासरमा ने अपने बयान को सही ठहराया था, उससे सवाल उठता है कि क्या उन्हें पता था कि जब तक मोदी–शाह का हाथ उनकी पीठ पर है, उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। यहां ये भी याद कर लेना चाहिए कि इससे पहले हिमंता बिस्वासरमा ने 27 जनवरी को कहा था कि राज्य में स्पेशल रिवीजन में 4 से 5 लाख मिया मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाएंगे। उन्होंने लोगों से मिया समुदाय को परेशान करने की अपील की ताकि वे असम से चले जाएं। उन्होंने सीधे–सीधे एक समुदाय को निशाने पर लेकर उसे मानसिक, शारीरिक और आर्थिक तौर पर परेशान करने की बात कही, नागरिक के वोट के अधिकार को छीनने की बात कही।

उलटा पड़ सकता है किताब को लेकर मुकदमे का दांव

राजेंद्र शर्मा

सर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की कथित रूप से प्रकाशितध्अप्रकाशित किताब सरकार के लिए बड़ी परेशानी का सबब बन गई है, जिससे उबरने के लिए उसे पुलिसिया कार्रवाई का सहारा लेना पड़ा है। चूंकि उस किताब की सॉफ्ट कॉपी ऑनलाइन सर्कुलेट हो चुकी है और अभी भी हो रही है, लिहाजा दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। दिल्ली में संगीन अपराधों पर नियंत्रण पाने में नाकाम दिल्ली पुलिस अब इस मामले की जांच–पड़ताल में अपनी ऊर्जा खपाएगी कि आखिर यह किताब पीडीएफ फार्मेट में कैसे ऑनलाइन लोगों तक पहुंच रही है। जनरल नरवणे की यह वही किताब है जिसके हवाले से नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर लोकसभा में सरकार से सवाल पूछना चाहते थे लेकिन सरकार इसके लिए तैयार नहीं हुई और उसने किताब के अस्तित्व को ही नकार दिया। दरअसल जनरल नरवणे की किताब श्फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनीश के प्रकाशित होने या नहीं होने को लेकर स्थिति अभी साफ नहीं है। सरकार का कहना है कि उसने अभी किताब को छापने की मंजूरी नहीं दी है। विवाद बढ़ने पर प्रकाशक पेंग्विन इंडिया की ओर से भी कहा गया कि उसने अभी किताब नहीं छापी है। मुकदमा दर्ज करने के बाद दिल्ली पुलिस ने कहा कि सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों और कुछ वेबसाइटों पर किताब की पूर्व प्रकाशित पीडीएफ कॉपी मिल रही है। किताब का आवरण भी ऑनलाइन मार्केटिंग एजेंसी अमेजन के प्लेटफॉर्म पर दिखाया जा रहा है, जैसे कि किताब खरीदी–बिक्री के लिए उपलब्ध ा है। चूंकि किताब को प्रकाशित करने की जरूरी मंजूरी रक्षा मंत्रालय से नहीं मिली है, इसलिए किताब का लीक होना सुरक्षा नियमों का उल्लंघन माना जा रहा है। इस मामले में दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने एफआईआर दर्ज की जब पिछले दिनों संसद में भारी हंगामा हुआ। श्द कारवांश मैगजीन में प्रकाशित हुए किताब के कुछ अंशों का हवाला देते हुए राहुल गांधी 2 फरवरी को लोकसभा में कुछ बोलना चाहते थे। किताब के उन अंशों के मुताबिक जनरल नरवणे ने लिखा है कि 2020 में गलवान घाटी में चीन से टकराव के दौरान जब उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को जानकारी दी कि श्चीनी टैंक हमारी ओर आ रहे हैंश, तो लंबे समय तक उन्हें किसी की भी ओर से कोई निर्देश नहीं मिला। बाद में रक्षा मंत्री के मार्फत प्रध ाानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संदेश आया– श्जो उचित समझो, वैसा करोश। राहुल गांधी का आरोप है कि मोदी ने अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई और सेनाध्यक्ष को अकेला छोड़ दिया। राहुल गांध ी का कहना है कि किताब से चीन के आक्रामक रवैये पर प्रध ाानमंत्री की ठंडी प्रतिक्रिया की पोल खुल रही है इसीलिए लोकसभा में स्पीकर ने उन्हें नहीं बोलने दिया और पीएम भी इसी वजह से राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बहस का जवाब देने नहीं आए। बहरहाल किताब को लेकर दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने जांच शुरू कर दी है कि किताब पीडीएफ फार्मेट में सोशल मीडिया तक कैसे पहुंची। जांच की आंच राहुल गांधी तक भी पहुंचनी तय है क्योंकि उन्होंने संसद परिसर में किताब की प्रकाशित प्रति भी दिखाई है। कहने की आवश्यकता नहीं कि एफआईआर राहुल को निशाना बनाकर ही दर्ज की गई है। गौरतलब है कि पिछले कुछ वर्षों से देश में श्एफआईआर क्रांतिश चल रही है। खास तौर से उत्तर–पश्चिमी भारत के राज्यों में पिछले कुछ वर्षों से मुट्ठी भर लोगों ने अपनी भावनाएं आहत होने के नाम पर तांडव मचा रखा है और सत्ता के प्रभावशाली पदों पर बैठे उनके आका अपने घटिया स्वार्थों के लिए उनकी आहत भावनाओं को शह देने का काम कर रहे हैं। इन लोगों की ये भावनाएं कभी अखबारों या सोशल मीडिया में आए किसी कार्टून, तस्वीर, लेख या विज्ञापन से, तो कभी किसी फिल्म, नाटक, कॉमेडी शो, मिमिक्री, किताब या किसी गीत से आहत हो जाती है। सरकार की आलोचना को देशद्रोह मानकर उससे भी कई लोगों की भावनाएं आहत होने के मामले सामने आते रहते हैं। आहत होने वाली ऐसी तमाम भावनाओं को सहलाने के लिए पुलिस भी बिल्कुल तैयार बैठी रहती है। किसी भी सामान्य व्यक्ति के लिए चोरी, डकैती, लूट, जानलेवा हमला, ठगी, ध ोखाधड़ी, बच्चे की गुमशुदगी, वाहन चोरी या वाहन दुर्घटना, यहां तक कि गंभीर से गंभीर यौन अपराध की एफआईआर लिखवाना भी आसान काम नहीं है। इसके लिए पुलिस की मिन्नतें करना पड़ती हैं या किसी प्रभावशाली नेता से सिफारिश करानी पड़ती है य और कभी–कभी पुलिस की जेब भी गरम करना पड़ती है। अगर पीड़ित व्यक्ति की आर्थिक स्थिति कमजोर हो तो उसे पुलिस से अपमानित भी होना पड़ता है। किसी तरह से अगर एफआईआर दर्ज हो भी जाए तो इस बात की गारंटी नहीं कि आवश्यक कार्रवाई पुलिस मुस्तैदी और ईमानदारी से करेगी।... लेकिन भावना आहत होने की शिकायत मिलते ही पुलिस तत्परता से एफआरआई दर्ज कर लेती है। थाना प्रभारी भी बगैर किसी जांच–पड़ताल के मीडिया को बुलाकर टीवी कैमरों के सामने आरोपित व्यक्ति को प्रथमदृष्टया दोषी भी करार दे देता है। ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार करने में भी पुलिस बिल्कुल लापरवाही नहीं दिखाती है। ऐसे सभी मामले जब कोर्ट में पेश होते हैं तो वहां भी पुलिस की तर्ज पर ही काम होता है। निचली अदालतों के जज अपने पास वर्षों से लंबित मुकदमों की कार्रवाई आगे बढ़ाने के बजाय आहत भावनाओं के मामलों की सुनवाई प्राथमिकता से करते हैं और आरोपी को सीधे जेल भेज देते हैं। बहरहाल अभी तो मामला पूर्व सेनाध्यक्ष की किताब का है जो सीधे राहुल गांधी से जुड़ा है, सो केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मातहत काम करने वाली दिल्ली पुलिस उन्हें कैसे छोड़ सकती है! वैसे भी राहुल गांधी इस तरह के मुकदमे झेलने के आदी हो चुके हैं। एफआईआर क्रांति के चलते देश का शायद ही कोई राज्य होगा जहां उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज न हुआ हो।

इसलिए दिल्ली पुलिस ने जो नया मुकदमा दर्ज किया है वह कायदे से उनके लिए ज्यादा चिंता की बात नहीं होनी चाहिए। हालांकि सरकार को उम्मीद है कि वह इस मुकदमे के जरिए दबाव बढ़ाएगी। वह दबाव राहुल के साथ–साथ कुछ दूसरे लोगों पर भी हो सकता है। दिल्ली पुलिस अन्य तथ्यों के अलावा खास तौर से इस बात की जांच करेगी कि यह किताब राहुल गांधी को कहां से मिली। यह सवाल तो है कि जब सरकार कह रही है कि उसने किताब छापने की मंजूरी नहीं दी है और प्रकाशन कंपनी भी कह रही है कि किताब छपी नहीं है, तो फिर राहुल गांधी कहां से उसकी प्रति लेकर संसद में पहुंचे थे? उन्होंने कहा था कि वे यह किताब लोकसभा में प्रध ाानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देंगे। हालांकि उन्होंने यह भी दावा किया था कि प्रधानमंत्री सदन में नहीं आएंगे। दिलचस्प बात यह है कि सचमुच चार फरवरी को प्रधानमंत्री लोकसभा में नहीं पहुंचे, जहां शाम को पांच बजे उन्हें राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई आधी–अधूरी चर्चा का जवाब देना था।

स्पीकर ने कहा कि उन्होंने कुछ अप्रत्याशित घटित होने की आशंका के चलते मोदी को सदन में आने से रोक दिया था।

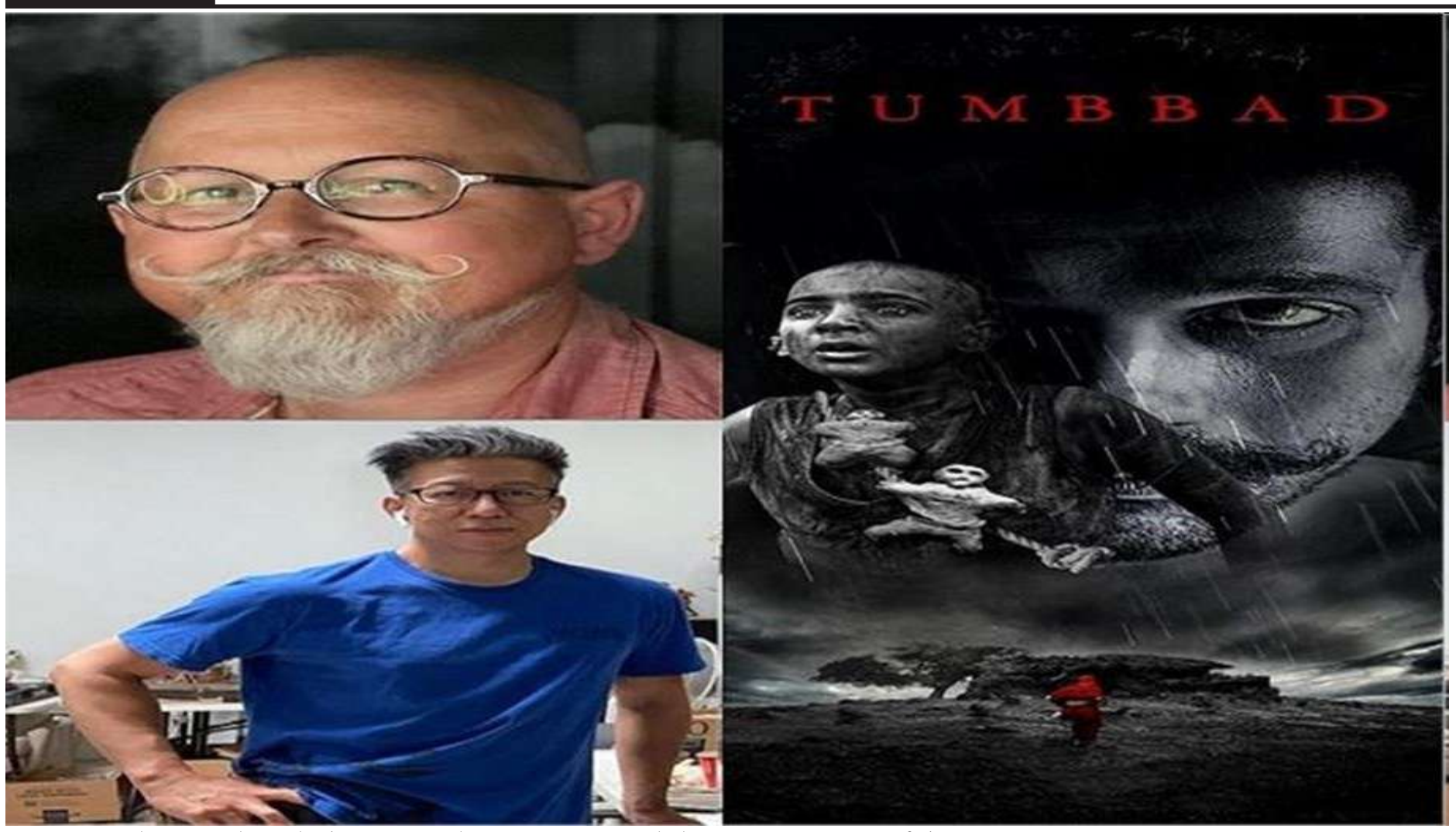

‘तुम्बाड 2’ में इंटरनेशनल धमाका, हॉलीवुड के क्रिएटर्स की एंट्री से बदलेगा भारतीय हॉरर सिनेमा का चेहरा

तुम्बाड 2 अपने क्रिएटिव लेवल को और भी बड़ा बनाने जा रही है, क्योंकि इस मच–अवेइटेड सीक्वल से अब बड़े इंटरनेशनल टैलेंट जुड़ रहे हैं। प्रोजेक्ट से जुड़े एक सोर्स के मुताबिक, लॉस एंजिल्स के मशहूर कॉन्सेप्ट आर्टिस्ट और क्रिएचर डिजाइनर साइमन ली (जिन्हें स्पाइडरजीरो के नाम से भी जाना जाता है) और जाने–माने प्रोस्थेटिक डिजाइनर शॉन हैरिसन इस फिल्म का हिस्सा बन गए हैं। घ्दुनिया भर में क्रिएचर डिजाइन और वर्ल्ड–बिल्डिंग के लिए मशहूर साइमन ली गॉडजिला वर्सेस कॉन्ग, गॉडजिला किंग ऑफ द मॉन्स्टर्स, कॉन्ग स्कल आइलैंड, पैसिफिक रिम, एज ऑफ टुमारो, स्टार ट्रेक बियॉन्ड, मेलिफिसेंट और अमेजन की सीरीज द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स द रिंग्स ऑफ पावर जैसे बड़े इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स से जुड़े रहे हैं। उनकी खासियत पौराणिक दुनिया और आंखों को चौंधिया देने वाले डरावने जीव तैयार करने में है और यही वो चीजें हैं जो तुम्बाड की दुनिया की जान हैं। शॉन हैरिसन इस प्रोजेक्ट से प्रोस्थेटिक डिजाइनर के तौर पर जुड़े हैं और वह अपने साथ दुनिया भर का बड़ा अनुभव लेकर आए हैं। उन्होंने स्टार वार्स, द ममी, वर्ल्ड वॉर जेड, एवेंजर्स एज ऑफ अल्ट्रॉन और हैरी पॉटर की सभी फिल्मों के साथ–साथ पीकी ब्लाइंडर्स जैसी टीवी सीरीज में भी काम किया है। उनके आने से फिल्म के किरदारों और उनके लुक्स में और भी बारीकी और असलियत देखने को मिलेगी। घ्इस सीक्वल को एक्टर–प्रोड्यूसर सोहम शाह अपने बैनर सोहम शाह फिल्म्स के तहत बना रहे हैं, और दिग्गज प्रोड्यूसर डॉ. जयंतीलाल गडा की पेन स्टूडियोज इसे पेश कर रही है। आरआरआर और गंगूबाई काठियावाड़ी जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाले पेन स्टूडियोज के इस फिल्म से जुड़ने के बाद, मेकर्स अब इसे पहले से भी कहीं ज्यादा बड़े और भव्य विजुअल स्केल पर बनाने की तैयारी में हैं।”तुम्बाड की कहानी जिस तरह पौराणिक कथाओं और माहौल पर आधारित है, उसे देखते हुए इसके सीक्वल के लिए एक गहरी और बड़ी विजुअल भाषा की जरूरत है। हमारा विचार अपनी जड़ों से जुड़ी कहानी को दुनिया भर के बेहतरीन क्रीचर डिजाइन और प्रोस्थेटिक काम के साथ जोड़ने का है। साइमन और शॉन का अनुभव उन्हें इस फिल्म के लिए एक रोमांचक हिस्सा बनाता है,” सूत्र ने बताया।

असली तुम्बाड की इसकी डरावनी प्रोडक्शन डिजाइन और विजुअल डिटेलिंग के लिए काफी तारीफ हुई थी, जिसने इसे एक कल्ट फिल्म बनाने में बड़ी भूमिका निभाई। अब अंतरराष्ट्रीय कलाकारों और पेन स्टूडियोज की प्रोडक्शन ताकत के साथ, तुम्बाड 2 खुद को इस फ्रेंचाइजी के एक महत्वाकांक्षी सिनेमाई विस्तार के रूप में तैयार कर रही है। हालाँकि अभी मेकर्स की ओर से आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है, लेकिन फिल्म इंडस्ट्री की चर्चाओं की मानें तो यह सीक्वल अपने स्केल और पौराणिक गहराई को काफी बड़े स्तर पर ले जाने की तैयारी कर रहा है।

‘द लल्ला एंथम’ में दिखी नई साझेदारी, शिखर धवन,अनिल कपूर ने बढ़ाया उत्साह

जैसे–जैसे क्रिकेट का बुखार चढ़ रहा है, प्राइम वीडियो लल्ला एंथम अ वार्निंग फ्रॉम सूबेदार की सफलता को आगे बढ़ाते हुए एक नया दमदार वीडियो लेकर आया है। इस बार इसमें टीम इंडिया के पूर्व ओपनर शिखर धवन, अनिल कपूर के साथ उनके सूबेदार अर्जुन मौर्य वाले रौबदार अवतार में नजर आ रहे हैं। गर्व, संकल्प और अटूट सम्मान से जुड़ा यह वीडियो फिल्म के मुख्य संदेश अपनी जगह डटे रहना और कभी पीछे न हटना को भारतीय क्रिकेट टीम के अपने गब्बर के साथ आगे बढ़ाता है। क्रिकेट के इस जबरदस्त जुनून के बीच, अनिल कपूर और शिखर धवन फिल्म की भावना और मैदान की तीव्रता को एक साथ लाते हुए संकल्प का एक साफ संदेश देते हैंरू भिड़ेंगे, लड़ेंगे, आगे बढ़ेंगे। सुरेश त्रिवेणी द्वारा निर्देशित, सूबेदार का निर्माण विक्रम मल्होत्रा, अनिल कपूर और सुरेश त्रिवेणी ने किया है, जो ओपनिंग इमेज फिल्म्स का प्रोडक्शन है और अनिल कपूर फिल्म एंड कम्युनिकेशन नेटवर्क के सहयोग से बना है। इसमें अनिल कपूर और राधिका मदान मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि सौरभ शुक्ला, आदित्य रावल, फैसल मलिक और मोना सिंह महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। सूबेदार का प्रीमियर 5 मार्च को विशेष रूप से प्राइम वीडियो इंडिया पर हिंदी, तमिल और तेलुगु में पूरे भारत और दुनिया भर के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में होगा।

एक शर्त पर गोविंदा को माफ करने को तैयार हैं पत्नी सुनीता आहूजा

एक्टर गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा पिछले काफी समय से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। वह कई बार अपने पति के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर पर बात करती नजर आई हैं। हालांकि, एक्टर कई बार इन आरोपों पर अपनी सफाई दे चुके हैं। वहीं, अब हाल ही में फिर सुनीता अपने पति की वजह से सुर्खियां बटोर रही हैं। दरअसल, हाल ही में उन्होंने एक व्लॉग में कुछ पत्रकारों को बुलाया और उनसे बातचीत की। इस बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि वह गोविंदा को माफ करने के लिए तैयार हैं।सुनीता आहूजा ने कहा– आपको शायद पता ना हो, गोविंदा मेरे बचपन का प्यार हैं। अगर वो सुधर जाए और हमारे हिसाब से रहे तो मैं माफ कर दूंगी उसे। मुझे ये सब जो न्यूज में आ रहा है, नहीं सुनना है। उन्होंने आगे कहा, ”यह सब झेलने की उम्र नहीं है। मैं मेनोपॉज से गुजर रही हूं। इस समय हर महिला को अपने पति और बच्चों के सहयोग की जरूरत होती है क्योंकि हमारा मन अस्थिर हो जाता है। हमें किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत होती है जो हमसे प्यार करे और हमें तनाव न दे। बता दें, कुछ दिनों पहले गोविंदा ने पत्नी के चीटिंग के आरोपों पर कहा था– कब नहीं लगा आरोप मुझपर? जो आरोप लगा रहा है मेरे बचपन का प्यार है। प्यार के मामले में ये कभी सही नहीं रहा। अब जो प्यार हो रहा है किसी के सोचने के मुताबिक ये बुढ़ापा है। बता दें, गोविंदा और सुनीता की शादी साल 1987 में हुई थी। शादी के बाद कपल ने दो बच्चों–बेटा यशवर्धन आहूजा और बेटी टीना आहूजा का स्वागत किया था।

आप ह्मेशा याद आएंगे..ससुर के निधन के बाद कियारा का इमोशनल पोस्ट, लिखा–शुरू से ही आपने मुझे खुले दिल से अपनाया

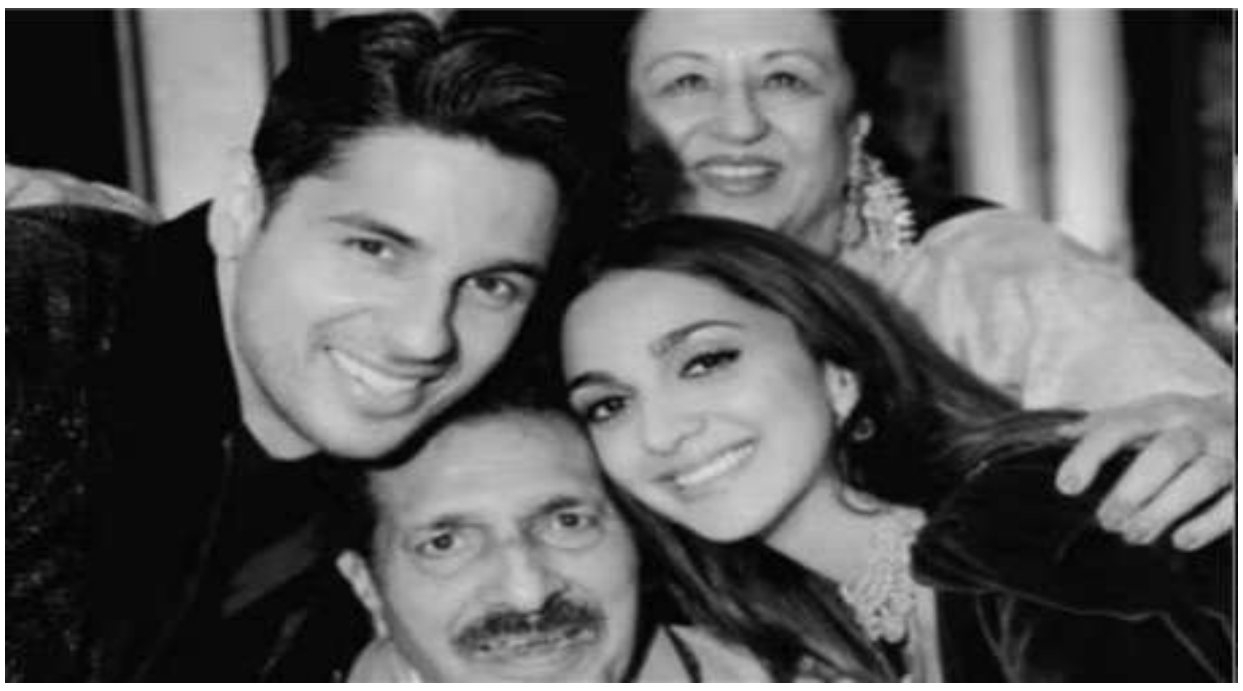

एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा के पिता सुनील मल्होत्रा अब इस दुनिया में नहीं रहे। उनका 14 फरवरी, शनिवार को निधन हो गया। इस बात की जानकारी हाल ही में एक्टर अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैंस को दी और उन्हें भावुक दिल से याद करते नजर आए। सिद्धार्थ के बाद अब उनकी पत्नी व एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने भी ससुर को श्रद्धांजलि देते हुए एक पोस्ट शेयर किया है, जो खूब पढ़ा जा रहा है। कियारा अडवाणी ने अपने ससुर को याद करते हुए इंस्टाग्राम पर अपनी शादी की एक फोटो पोस्ट की, जिसमें उनके साथ सिद्धार्थ, उनके ससुर सुनील मल्होत्रा और सास नजर आ रही हैं। इस पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा–शुरू से ही आपने मुझे खुले दिल से अपनाया। आपकी बातें समझदारी भरी थीं और आपका प्यार सच्चा था। आपने हम सबको हमेशा संभाला। आप हमेशा प्यार से मिले। परिवार आपके लिए सबसे जरूरी था। जब भी जरूरत पड़ी, आप हर बार साथ खड़े रहे। ध्यान से सुना, छोटी–छोटी बातें याद रखीं और बिना किसी उम्मीद के सबके लिए करते रहे। आपकी बातें, आपकी हंसी, आपका हौसला और आपका अच्छा दिल ये सब हमेशा याद रहेगा। कियारा ने आगे लिखा, आप अपने पीछे प्यार, सच्चाई और अच्छे संस्कार छोड़ गए हैं। ये आपके बच्चों, नाती–पोतों और हम सबमें हमेशा जिंदा रहेंगे। आप शाति से आराम कीजिए।

आलोचनाओं पर बोले विशाल भारद्वाज कहा– ये मेरी सबसे सफल फिल्म होगी

विशाल भारद्वाज की गिनती इंडस्ट्री के दिग्गज फिल्म निर्देशकों में होती है। उन्होंने ‘मकबूल’, ‘ओमकारा’ और ‘हैदर’ जैसी कल्ट फिल्में बनाई हैं। उनकी हालिया रिलीज फिल्म ‘ओ रोमियो’ इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। क्रिटिक्स से फिल्म को मिली–जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई है। लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पा रही है। हालांकि, विशाल भारद्वाज का मानना है कि यह उनकी सबसे सफल फिल्मों में से एक हो सकती है। पीटीआई से बातचीत में विशाल भारद्वाज ने कहा कि फिल्म को लेकर क्रिटिक्स की चाहें जो भी राय हो, लेकिन उन्हें भरोसा है कि यह उनकी अब तक की सबसे सफल फिल्मों में से एक हो सकती है। मुझे यह इसलिए कहना पड़ रहा है ताकि उन आलोचकों का दिल टूट जाए जिन्होंने फिल्म की आलोचना की थी। उनकी राय चाहे जो भी रही हो, यह मेरे जीवन की सबसे सफल फिल्म होगी। मुझे इस फिल्म पर बहुत गर्व है। मुझे इस पर जरा भी शर्म नहीं है। मैं बहुत खुश हूं। मैंने जो हिंसा और प्रेम की कहानी गढ़ी है, उस पर मुझे बहुत गर्व है। ‘ओ रोमियो’ के निर्माता नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के अनुसार, फिल्म ने 9.01 करोड़ रुपए के साथ बॉक्स ऑफिस पर अपनी शुरुआत की थी। इसके बाद शुरुआती तीन दिनों में फिल्म सिर्फ 14.50 करोड़ रुपए की ही कमाई कर पाई। भारी गिरावट के बाद, फिल्म ने संभलते हुए वीकेंड में 5.10 करोड़, 5.90 करोड़ और 3.90 करोड़ की कमाई की, जिससे अब तक फिल्म का घरेलू कुल कलेक्शन 49.41 करोड़ हो गया है। जबकि फिल्म की वर्ल्डवाइड कमाई 75.80 करोड़ रुपए तक पहुंच चुकी है। ‘ओ रोमियो’ ने शाहिद कपूर की ‘देवा’ के लाइफटाइम कलेक्शन को पार कर लिया है, जिसने वर्ल्डवाइड 55.80 करोड़ रुपए की कमाई की थी। विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित ‘ओ रोमियो’ हुसैन जैदी की किताब ‘माफिया क्वींस ऑफ मुंबई’ पर आधारित है। फिल्म में शाहिद कपूर ने उस्तरा की भूमिका निभाई है, जबकि तृप्ति डिमरी अफ्शा के किरदार में नजर आई हैं। इसके अलावा फिल्म में नाना पाटेकर, अविनाश तिवारी, दिशा पाटनी, तमन्ना भाटिया, विक्रांत मैसी, फरीदा जलाल और हुसैन दलाल भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। फिल्म 1995 में मुंबई पर आधारित है।

क्या हाई फाइबर वाला नाश्ता पेट फूलने का कारण बन सकता है? एक्सपर्ट से जानें

फाइबर स्वस्थ आहार का एक प्रमुख अंग है, जो पाचन, वजन प्रबंधन और सभी कल्याण के लिए कई लाभ प्रदान करता है। हालाँकि, कुछ व्यक्तियों को उच्च फाइबर वाला नाश्ता करने के बाद सूजन का अनुभव हो सकता है। अत्यधिक फाइबर सेवन के कारण, कुछ लोगों को पाचन दर्द, जैसे सूजन, गैस और पेट में ऐंठन, साथ ही दस्त या कब्ज का अनुभव हो सकता है। प्राची जैन, मुख्य डाइटिशियन ने बताया कि

रोजाना आहार में फाइबर की क्या भूमिका है?

फलों, सब्जियों, साबुत अनाज और फलियों में पाया जाने वाला आहार फाइबर पाचन स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। यह दो मुख्य रूपों में आता हैः घुलनशील और अघुलनशील। घुलनशील फाइबर पानी में घुल जाता है और एक जेल जैसा पदार्थ बनाता है, जबकि अघुलनशील फाइबर मल में मात्रा जोड़ता है और नियमित मल त्याग को बढ़ावा देता है। जैन ने कहा, ष्महिलाओं के लिए आहार फाइबर की सिफारिश प्रति दिन 25–30 ग्राम है, जबकि पुरुषों के लिए यह 35–40 ग्राम प्रति दिन है।'' उन्होंने कहा कि पुरुषों और महिलाओं की अलग–अलग कैलोरी आवश्यकताओं के कारण फाइबर की आवश्यकता अलग–अलग होती है। एक्सपर्ट ने बताया, ''महिलाओं के लिए आहार में फाइबर की मात्र3 प्रति दिन 25–30 ग्राम होनी चाहिए, जबकि पुरुषों के लिए यह 35–40 ग्राम प्रति दिन है।'' उन्होंने कहा कि पुरुषों और महिलाओं की अलग–अलग कैलोरी आवश्यकताओं के कारण फाइबर की आवश्यकता अलग–अलग होती है।

फाइबर से पेट क्यों फूलता है?

गट बैक्टीरिया द्वारा उपद्रव

जब आप अपने फाइबर का सेवन बढ़ाते हैं, विशेष रूप से बीन्स, दाल और कुछ सब्जियों जैसे स्रोतों से, तो आंत के बैक्टीरिया अपचित फाइबर को उपद्रव कर सकते हैं। यह इपद्रव प्रक्रिया कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन जैसी गैसों का उत्पादन करती है, जिससे संभावित रूप से सूजन हो सकती है।

फाइबर पानी की एब्जॉर्ब करता है

फाइबर पाचन तंत्र में पानी को एब्जॉर्ब करता है, मल को नरम करता है और मल त्याग में सहायता करता है। हालांकि, पर्याप्त पानी के सेवन के बिना फाइबर सेवन में अत्यधिक वृद्धि से डिहाइड्रेशन और संभावित सूजन हो सकती है।

कुछ फाइबर के प्रति संवेदनशीलता

कुछ लोग विशिष्ट प्रकार के फाइबर के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, कुछ फलों और सब्जियों में प्राकृतिक शर्करा और फाइबर होते हैं जिन्हें पचाना कठिन हो सकता है, जिससे कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है।

हाई फाइबर वाले नाश्ते से पेट फूलना को कम करने के लिए टिप्स

धीरे–धीरे फाइबर का सेवन करें

यदि आप उच्च फाइबर आहार के आदी नहीं हैं, तो धीरे–धीरे फाइबर का सेवन करें। फाइबर सेवन में अचानक और महत्वपूर्ण बदलाव से पाचन तंत्र प्रभावित हो सकता है और सूजन हो सकती है।

हाइड्रेटेड रहे

फाइबर पानी को एब्जॉर्ब करता है, इसलिए पर्याप्त रूप से हाइड्रेटेड रहना आवश्यक है। डिहाइड्रेशन को रोकने और उचित पाचन को बढ़ावा देने में मदद के लिए पूरे दिन खूब पानी पीने का लक्ष्य रखें।

आसानी से पचने योग्य आहार चुनें

आप ओट्स, जामुन और केले जैसे फाइबर के आसानी से पचने योग्य स्रोतों का विकल्प चुन सकते हैं। ये खाद्य पदार्थ पाचन तंत्र पर अत्यधिक दबाव डाले बिना मूल्यवान पोषक तत्व प्रदान करते हैं।

घुलनशील और अघुलनशील फाइबर को मिलाएं

घुलनशील और अघुलनशील फाइबर को संतुलित करने से पाचन को आसान बनाने में मदद मिल सकती है। घुलनशील फाइबर युक्त खाद्य पदार्थों में सेम, दाल और कुछ फल शामिल हैं, जबकि अघुलनशील फाइबर साबुत अनाज, नट्स और सब्जियों में पाया जाता है।

लगातार आती खांसी को न लें हल्के में, हो सकता है लंग कैंसर का शुरुआती लक्षण

इन दिनों बदलते मौसम के चलते लोगों को सर्दी–जुकाम और खांसी का शिकार हो रहे हैं। हम खांसी जैसी बीमारी को हल्के में लेते हैं, पर ऐसा करना सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। लंबे वक्त तक खांसी आना फेफड़ों के कैंसर की ओर इशारा हो सकता है। लंग्स छाती में मौजूद जरुरी अंग होते हैं, जो सांस लेते समय ऑक्सीजन लेते हैं और सांस छोड़ते समय कार्बन डाइऑक्साइड बाहर निकालते हैं। लंग्स कैंसर की शुरुआत यहीं से होती है। ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति बहुत ज्यादा स्मोक करता है उन्हें इस कैंसर का खतरा रहता है। वहीं ये कैंसर अन्य नशीले पदार्थों जैसे गुटखा, तंबाकू आदि के सेवन करने से भी हो सकता है। अगर व्यक्ति स्मोकिंग करना छोड़ भी दे फिर भी काफी हद तक इसका खतरा बरकरार रहता है। बता दें लंग्स का कैंसर अमेरिका में मौत के प्रमुख कारणों में से एक है। आइए आपको बताते हैं इस कैंसर के बारे में विस्तार से...

लंग्स कैंसर के लक्षण

लंबे वक्त तक खांसी का रहना

छाती में दर्द

सांस लेने में कठिनाई

खाँसी में खून आना

हर समय बहुत थकान महसूस करना

बिना किसी कारण के वजन कम होना

भूख न लगना

आवाज का बैठना

सिर में दर्द

हड्डियों में दर्द रहना

लंग्स कैंसर के कारण

स्मोकिंग

अगर आप सिगरेट पीते हैं और जितने सालों से आप स्मोक कर रहे हैं, उससे लंग्स के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। किसी भी उम्र में इसे छोड़ने से लंग्स के कैंसर का खतरा काफी कम हो सकता है।

सेकंडहैंड स्मोकिंग

भले ही आप स्मोकिंग नहीं करते हों, लेकिन अगर आप स्मोकिंग के संपर्क में आते हैं, तो भी लंग्स कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

रेडिएशन थैरेपी का इतिहास

यदि आपने किसी अन्य प्रकार के कैंसर के लिए छाती पर रेडिएशन थैरेपी ली है, तो आपको लंग्स का कैंसर होने का खतरा बढ़ सकता है।

रेडॉन गैस के संपर्क में आना

मिट्टी, चट्टान और पानी में यूरेनियम के प्राकृतिक रूप से टूटने पर उत्पन्न हुआ रेडॉन आपके द्वारा सांस लेने वाली हवा का हिस्सा बन जाता है। रेडॉन का असुरक्षित स्तर घरों सहित किसी भी इमारत में जमा हो सकता है।

पारिवारिक इतिहास

जिन लोगों के घर में मां– बाप, भाई–बहन या परिवार के किसी अन्य सदस्य को लंग्स का कैंसर है, तो उनमें इस बीमारी का खतरा बढ़ जाता है।

नोट– लंग कैंसर के ज्यादा जोखिम वाले लोगों को हर साल सीटी स्कैन कराने की सलाह दी जाती है। ऊपर बताए कोई भी लक्षण दिखने पर एक्सपर्ट से संपर्क करें।

इस तरह से खाया सेब तो फायदे की जगह हो सकता है नुकसान

सेब एक ऐसा फल है जो ढेरों पोषक तत्वों से भरपूर माना जाता है। इसमें ड्राइट्री फाइबर, पौटेशियम, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, विटामिन–सी, बी6, विटामिन–ई, विटामिन–के, प्रोटीन, कार्ब्स और एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद होते हैं। सेब एसिडिक भी होता है इसका पीएच लेवल 3 व 3.5 तक हो सकता है। हालांकि यह नींबू के मुकाबले कम एसिडिक होता है परंतु सेब का सेवन बाकी फूड्स की तरह नहीं किया जा सकता। सेब में मैलिक और एस्कॉर्बिक एसिड होते हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार, सेब को खाते हुए कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। आइए जानते हैं।

खाली पेट न करें सेवन

जिन लोगों को पेट से जुड़ी समस्याएं है उन्हें खाली पेट सेब का सेवन नहीं करना चाहिए। इसके अलावा खाना खाने के करीब 2 घंटे के बाद ही सेब का सेवन करना चाहिए।

बढ़ सकता है वजन

यदि आप जरुरत से ज्यादा सेब का सेवन करते हैं तो आपका वजन भी बढ़ सकता है क्योंकि सेब में कैलोरी और शुगर काफी मात्रा में मौजूद होता है ऐसे में ज्यादा मात्रा में इसका सेवन करने से शरीर में फैट की मात्रा बढ़ जाती है।

ब्लड शुगर

जरुरत से ज्यादा सेब का सेवन ब्लड शुगर के मरीजों के लिए भी हानिकारक हो सकता है। सेब में कार्बोहाइड्रेट्स, फाइबर और अन्य पोषक तत्व पाए जाते हैं। ये कार्बोहाइड्रेट्स शरीर में ऊर्जा के लिए इस्तेमाल होते है। ऐसे में ज्यादा मात्रा में इसका सेवन करने से ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है।

दांतों हो सकते हैं खराब

सेब में एसिड पाया जाता है ऐसे में यह दांतों को भी खराब कर सकता है। इसलिए जरुरत से ज्यादा सेब का सेवन न करें।

डेयरी प्रोडक्ट्स के साथ

कुछ लोग सेब का सेवन डेयरी प्रोडक्ट्स के साथ करते हैं लेकिन ऐसा न करें। क्योंकि सेब में साइट्रिक एसिड पाया जाता है जो दूध में पाए जाने वाले लैक्टिक एसिड के साथ मिलकर रिएक्शन कर सकते हैं। इसके कारण आपको पचेगा भी नहीं। बाजार में मिलने वाला एप्पल शेक भी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है इसका आंतों की परत पर साइड इफेक्ट हो सकता है। दूध प्रोडक्ट्स के साथ सेब का सेवन करने से त्वचा संबंधी समस्याएं जैसे सोरायसिस, एक्जिमा और कुछ स्किन रोग हो सकते हैं।

पिगमेंटेशन और दाग-धब्बों से छुटकारा पाने के लिए आलू का ऐसे करें इस्तेमाल, दूर होगी कई स्किन प्रॉब्लम्स

आलू में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो आपकी सेहत के साथ ही सुंदरता को भी बढ़ाने का काम करता है। आज हम आपको आलू से स्किन प्रॉब्लम्स से छुटकारा पाने और खूबसूरती बढ़ाने के कुछ घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं।

किचन में मौजूद आलू न सिर्फ खाने के स्वाद बढ़ाता है, बल्कि यह कई स्किन संबंधी समस्याओं से भी राहत देने का काम करता है। चेहरे पर दाग–धब्बे, मुंहासे, पिगमेंटेशन और ऑयली स्किन जैसे कई समस्याओं में आलू काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। क्योंकि आलू में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो आपकी सेहत के साथ ही सुंदरता को भी बढ़ाने का काम करता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको आलू से स्किन प्रॉब्लम्स से छुटकारा पाने और खूबसूरती बढ़ाने के कुछ घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुंहासों से छुटकारा

फेस पर मुंहासे होने पर आप मार्केट से महंगी क्रीम अप्लाई करने की जगह आलू का इस्तेमाल कर सकती हैं।

एक चम्मच आलू के रस में एक चम्मच टमाटर का रस और शहद मिलाकर फेस पर अप्लाई करें। फिर 15 मिनट बाद चेहरा धो लें।

सप्ताह में तीन बार इस फेसपैक को लगाने से आपको जल्द ही मुंहासों से छुटकारा मिलता है।

ऑयली स्किन के लिए आलू

ऑयली त्वचा के पर धूल–मिट्टी जम जाती है और मुंहासों की समस्या होने लगती है। ऐसे में आलू स्किन का एक्स्ट्रा ऑयल कम करने के लिए आपके बहुत काम आएगा।

इसके लिए 2 आलू को उबालकर मैश कर लें। फिर 1 चम्मच ओट्स पीसकर पाउडर बना लें। मैश किए आलू और ओट्स पाउडर में 2 चम्मच दूध और 1 चम्मच नींबू का रस मिलाएं। फिर इसको सप्ताह में दो बार फेस पर अप्लाई करें। इससे त्वचा का एक्स्ट्रा ऑयल कम होता है और फेस की चमक बढ़ती है।

दाग–धब्बे होंगे दूर

दाग–धब्बे और मुंहासे चेहरे की खूबसूरती को बिगाड़ने का काम करता है। वहीं इन दागों के लंबे समय तक रहने से चेहरे की रंगत कम हो जाती है। ऐसे में फेस के दाग–धब्बों को हटाने के लिए आलू का इस्तेमाल कर सकती हैं। बता दें कि 1 चम्मच आलू के रस में आधा चम्मच गुलाबजल और 1 चम्मच मुल्तानी मिट्टी मिलाएं। अब इस फेसपैक को चेहरे और गर्दन पर अप्लाई करें। जब फेसपैक सूख जाए, तो चेहरा धो डालें। सप्ताह में दो बार इस फेसपैक को लगाने से चेहरे के दाग–धब्बे गायब हो जाती हैं और आपकी त्वचा सॉफ्ट नजर आती है।

पिगमेंटेशन

कई लोगों की त्वचा सेंसिटिव होती है, तो पिगमेंटेशन की समस्या हो जाती है। वहीं उम्र बढ़ने के साथ भी पिगमेंटेशन की समस्या होने लगती है। इससे बचने के लिए आप आलू का इस्तेमाल कर सकती हैं। 1 चम्मच आलू के रस में 1 चम्मच चावल का आटा, 1 चम्मच शहद और 1 चम्मच नींबू का रस मिलाकर फेस स्क्रब बना लें। फिर इसको गर्दन और फेस पर अप्लाई करें। जब यह सूख जाए, तो फेस पर हल्का सा पानी लगाकर रगड़ते हुए इसे साफ कर लें।

सप्ताह में दो से तीन बार इस फेस स्क्रब को लगाने से पिगमेंटेशन की समस्या से बचा जा सकता है। जिससे आपकी त्वचा साफ होती है और चेहरे का निखार बढ़ता है।

स्किन का रूखापन

आलू की सब्जी बनाने के दौरान हम सभी आलू का छिलका फेंक देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आलू के छिलकों में कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो त्वचा की चमक को बढ़ाता है। आलू के छिलके का इस्तेमाल करने से स्किन की ड्राईनेस दूर होती है।

स्किन की ड्राईनेस को दूर करने के लिए आलू के छिलकों को पीसकर उसमें बेसन और दही का पेस्ट बनाकर इसको चेहरे पर लगाएं। फिर 15 मिनट तक सूखने के फेस को पानी से धो डालें। इससे आपकी त्वचा सॉफ्ट और शाइनी होगी साथ ही स्किन का रूखापन भी दूर होगा।

ऐसे बढ़ाएं चेहरे की चमक

धूल–मिट्टी, तनाव, प्रदूषण, गलत खानपान, नींद की कमी से चेहरे की चमक को फीका करता है। चेहरे का निखार वापस लाने के लिए आप महंगे प्रोडक्ट की जगह किचन में मौजूद आलू का इस्तेमाल कर सकते हैं।

बता दें कि 3 चम्मच आलू के रस में 2 चम्मच शहद मिलाकर फेस और गर्दन पर अप्लाई करें। फिर 15 मिनट तक लगाए रहने के बाद चेहरे को पानी से धो डालें। रोजाना इस फेसपैक को लगाने कुछ ही दिनों में चेहरे की चमक बढ़ जाएगी।

संक्षिप्त

सेपक टाकरा प्रतियोगिता के लिए रुहेलखंड विश्वविद्यालय की टीम का चयन, इन खिलाड़ियों को मिली जगह

बरेली,एजेंसी। बरेली के महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय में बुधवार को विश्वविद्यालय परिसर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में अंतर–महाविद्यालयीय सेपक टाकरा (महिला/पुरुष) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय से संबद्ध चार महाविद्यालयों के छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के आधार पर असम विश्वविद्यालय में होने वाली अखिल भारतीय अंतर–विश्वविद्यालयीय सेपक टाकरा (महिलाध्पुरुष) प्रतियोगिता के लिए श्रेष्ठ खिलाड़ियों का चयन किया गया। चयनित खिलाड़ी अंतर–विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता में रुहेलखंड विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। पुरुष टीम में विनय यादव, जतिन, उवेश, अमन, आर्यन, अमित, आश्मित, सार्थी, युवराज, सतीश, शानू, पृथ्वी, अभय, अनमोल व योगेश को शामिल किया गया। वहीं, महिला वर्ग में राशिका, सुहानी, समरीन, मोहिनी, चंचल, तान्या यादव, वंशिका, नंदिनी, नीलम, शालिनी राय, दिव्यांका पांडेय, यंत्रा व जिया का टीम में चयन हुआ। प्रतियोगिता के दौरान क्रीड़ा सचिव प्रो. एसएस बेदी, परीक्षा नियंत्रक संजीव कुमार सिंह, क्रीड़ा सचिव परिसर डॉ. नीरज कुमार, सह–क्रीड़ा सचिव डॉ. अजीत सिंह, विजय कुमार सिंहाल, डॉ. इंद्रप्रीत कौर, डॉ. इरम नईम आदि उपस्थित रहे। टीम का चयन लकी, शुभम तिवारी की ओर से किया गया। ऑफिशियल की भूमिका दीपक मौर्य ने निभाई।

बकाया भुगतान विवाद पर स्पाइसजेट के लिए बांग्लादेश का एयरस्पेस बंद

नई दिल्ली,एजेंसी। बांग्लादेश ने कथित बकाया भुगतान न चुकाने के कारण बजट एयरलाइन स्पाइसजेट को अपने हवाई क्षेत्र के उपयोग से रोक दिया है। सूत्रों के मुताबिक, एयरस्पेस उपलब्ध न होने के चलते कोलकाता से गुवाहाटी और इम्फाल जाने वाली कुछ उड़ानों को अब लंबा रूट अपनाना पड़ रहा है। हालांकि, स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने गुरुवार को कहा कि एयरलाइन संबंधित प्राधिकरणों के साथ नेविगेशन शुल्क समेत संचालन और प्रक्रियागत मुद्दों पर नियमित संवाद में है। उन्होंने इसे उद्योग से जुड़े सामान्य मुद्दे बताते हुए कहा कि जल्द समाध ान की दिशा में रचनात्मक तरीके से काम किया जा रहा है और निर्धारित उड़ान सेवाएं नियमों के अनुसार जारी हैं। सूत्रों का कहना है कि बकाया राशि के भुगतान न होने के कारण यह कदम उठाया गया है, हालांकि बकाया की प्रकृति और राशि के बारे में तत्काल स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है। वहीं, फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा के अनुसार स्पाइसजेट की कुछ उड़ानें बांग्लादेशी एयरस्पेस से बचते हुए वैकल्पिक और लंबा मार्ग अपना रही हैं।

अनिल अंबानी को 26 फरवरी को पूछताछ के लिए बुलाया

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय ने रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी को नया समन जारी किया है। इस हफ्ते बयान देने के लिए नहीं आने की वजह से उन्हें 26 फरवरी को फिर पूछताछ के लिए बुलाया गया है। उनकी पत्नी टीना अंबानी ने भी दो बार सुनवाई टाली है। टीना अंबानी को 10 फरवरी और 17 फरवरी को ईडी के सामने पेश होना था। ईडी ने बताया कि दोनों को धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत अलग–अलग बयान दर्ज करने के लिए बुलाया है। अनिल अंबानी एक बार अगस्त 2025 में ईडी के सामने पेश हुए थे। माना जा रहा है कि टीना अंबानी को न्यूयॉर्क के मैनहट्टन में एक लग्जरी अपार्टमेंट खरीदने से जुड़े मनी ट्रेल के बारे में पूछताछ के लिए बुलाया गया है। ईडी ने हाल ही में इस मामले में रिलायंस कम्युनिकेशन के पूर्व अध्यक्ष पुनीत गर्ग को गिरफ्तार किया था। ईडी ने पहले एक बयान में दावा किया था कि न्यूयॉर्क की प्रॉपर्टी को 2023 में रिलायंस कम्युनिकेशन के कॉर्पोरेट दिवालिया समाधान प्रक्रिया के दौरान गर्ग ने धोखे से बेचा था। माना जाता है कि रिलायंस कम्युनिकेशन ने 2025 में स्टॉक एक्सचेंज को इस धोखेबाज बिक्री के बारे में बताया था। ईडी ने पहले दावा किया था बिक्री से 8.3 मिलियन डालर (लगभग 69.55 करोड़) की रकम अमेरिका से एक नकली निवेश व्यवस्था की आड़ में भेजी गई थी, जिसे दुबई की एक कंपनी के साथ पाकिस्तान से जुड़े एक व्यक्ति द्वारा कंट्रोल किया जाता था, और इसके बारे में रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल को पता या मंजूरी नहीं दी गई थी। एजेंसी ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप के खिलाफ कथित बैंक धोखाधड़ी और उससे जुड़ी वित्तीय गड़बड़ियों के कई मामलों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल बनाई है। जांच के तहत इसने 12,000 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है और रिलायंस ग्रुप की कंपनियों के खिलाफ एनफोर्समेंट केस इन्फॉर्मेशन रिपोर्ट्स नाम की तीन शिकायतें दर्ज की हैं।

इमाद वसीम की पूर्व पत्नी ने व्हाट्सएप चैट किया लीक, कहा– गर्भावस्था में छोड़ा, मदद मांगी तो दी धमकी

कराची,एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर इमाद वसीम एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। उनकी पूर्व पत्नी सानिया अशफाक ने उन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सानिया का दावा है कि जब वह अपने तीसरे बच्चे के साथ गर्भवती थीं, तब इमाद ने उन्हें अकेला छोड़ दिया और समर्थन देने के बजाय कानूनी कार्रवाई की धमकी दी। यह विवाद उस समय और बढ़ गया जब 37 वर्षीय इमाद ने हाल ही में अपनी दूसरी शादी की पुष्टि की। उन्होंने नायला रजा से निकाह किया, जो सानिया से अलगाव की घोषणा के कुछ महीनों बाद हुआ। सानिया ने सोशल मीडिया पर जुलाई 2025 की व्हाट्सएप चौट्स के स्क्रीनशॉट साझा किए हैं। इन संदेशों में कथित तौर पर इमाद उन्हें चेतावनी देते दिख रहे हैं कि यदि वह उनसे या उनके परिवार से संपर्क करेंगी तो वह पुलिस में शिकायत दर्ज करा देंगे। सानिया ने पोस्ट में लिखा, इमाद वसीम कहते हैं कि मैं उनके बच्चों को उनसे दूर रखती हूं, लेकिन जब मैं उनके बच्चे को गर्भ में लिए हुई थी, थकी हुई, भावुक और कमजोर स्थिति में थी, तब मैंने उनसे संपर्क किया। मैंने कोई अनुचित मांग नहीं की थी। मैंने सिर्फ इतना कहा था कि वह अपने अजन्मे बेटे से मिलने आएं, उसका ख्याल रखें, थोड़ा सा प्यार दिखाएं। लेकिन समर्थन के बजाय उन्होंने मुझे धमकी दी कि अगर मैंने दोबारा संपर्क किया तो वह मेरे खिलाफ उत्पीड़न का मामला दर्ज कर देंगे।

इससे पहले इमाद ने एक विस्तृत बयान जारी कर कहा था, श्मेरी पहली शादी के बाद का दौर मेरी जिंदगी के सबसे कठिन अध्यायों में से एक था। लेकिन उसी अध्याय ने मुझे मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी नेमत दी, मेरे बच्चे। मैं उन्हें शब्दों से परे प्यार करता हूं, और यह प्यार कभी नहीं बदलेगा। उन्होंने यह भी स्वीकार किया, मुझे जितना रुकना चाहिए था, मैं उससे ज्यादा समय तक रुका रहा। उम्मीद बनाए रखने और जो मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण था, उसे बचाने की कोशिश करता रहा। इस दौरान मैंने कुछ ऐसे फैसले लिए जिनका मुझे अफसोस है। इमाद ने यह भी माना कि उनकी चुप्पी के कारण एक निर्दोष व्यक्ति को आलोचना झेलनी पड़ी, जिसकी जिम्मेदारी वह लेते हैं। इमाद के बयान के बाद सानिया अशफाक ने भी सोशल मीडिया पर तीखा पोस्ट साझा किया। उन्होंने लिखा, श्अब सबके सामने सच आ चुका है। इस घर तोड़ने वाले ने एक बार भी मेरे बच्चों के बारे में नहीं सोचा। यह धोखेबाज आखिरकार बेनकाब हो गया है। मैं अपने बच्चों के लिए और जो कुछ हमने सहा है उसके लिए इंसाफ चाहती हूं। सानिया के इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। कुछ लोग इमाद के समर्थन में नजर आए तो कुछ ने सानिया की पीड़ा को जायज ठहराया। सानिया ने इमाद को हत्यारा भी बताया था और लिखा, दिसंबर 2023 में इमाद ने लाहौर में मेरा गर्भपात करवाया गया। वह एक हत्यारा है और मेरे पास इसका वीडियो सबूत है। उसने मुझे धोखा दिया। इस्लामाबाद यूनाइटेड (इमाद की PSL टीम) ने एक हत्यारे और धोखेबाज को मौका दिया है। इस्लामाबाद यूनाइटेड का बहिष्कार करें। किसी हत्यारे या धोखेबाज को बच निकलने का मौका नहीं मिलना चाहिए। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। इमाद और सानिया की शादी 2019 में हुई थी और दिसंबर 2025 में दोनों का तलाक हो गया। दोनों के तीन बच्चे हैं। इनमें एक बेटी (जन्म 2021) और दो बेटे शामिल हैं। इनमें सबसे छोटा महज सात महीने का है। तलाक के सिर्फ दो महीने बाद इमाद की दूसरी शादी ने विवाद को और हवा दे दी। इमाद वसीम पाकिस्तान के लिए 55 वनडे और 75 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। मैदान पर उनकी पहचान एक भरोसेमंद ऑलराउंडर के रूप में रही है, लेकिन फिलहाल वह निजी जीवन से जुड़े आरोपों के कारण चर्चा में हैं। यह मामला अब सोशल मीडिया पर बहस का विषय बन चुका है। फिलहाल दोनों पक्षों के आरोप–प्रत्यारोप जारी हैं और आधिकारिक जांच या कानूनी प्रक्रिया को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

हर बार छक्का लगाना जरूरी नहीं, जीत के बाद शिवम दुबे को याद आई एमएस धोनी की सलाह

अहमदाबाद,एजेंसी। ऑलराउंडर शिवम दुबे ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में नीदरलैंड के खिलाफ 66 रनों की विस्फोटक पारी खेलकर भारतीय टीम को 17 रन से मिली जीत में बड़ी भूमिका निभाई। अपनी पारी के दौरान दुबे ने छह छक्के लगाए। शिवम दुबे पिछले कुछ समय में टी20 फॉर्मेट में भारतीय टीम के मध्यक्रम की मजबूत कड़ी बनकर उभरे हैं। बड़े शॉट लगाने के साथ ही दुबे मुश्किल समय में सिंगल और डबल से भी पारी को मजबूती देते हैं। अपनी बल्लेबाजी के अंदाज में स्पष्टता का श्रेय दुबे ने पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी को दिया है। मैच के बाद जियो हॉटस्टार पर दुबे ने कहा, अपने करियर के शुरुआती दौर में उन्हें तेज गेंदबाजों के खिलाफ संघर्ष करना पड़ता था, लेकिन स्ट्राइक बदलने और खेल के बारे में उनकी सोच को धोनी की सलाह ने बदला है और उसी वजह से वह दबाव की स्थिति में भी अच्छा प्रदर्शन कर पाते हैं।

उन्होंने कहा, श्जब मैं पहली बार आईपीएल में आया, तो मुझे तेज गेंदबाजों के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा और मैं गेंद को अच्छी तरह से हिट नहीं कर पाता था। मुझे एहसास हुआ कि अगर मुझे इस लेवल पर हावी होना है और मेरे पास पावर है, तो मुझे उस

पर काम करने की जरूरत है। मैंने ऑफ–सीजन के दौरान काफी मेहनत की। माही भाई ने मुझसे कहा कि हर बार छक्का मारना जरूरी नहीं है। बाउंड्री और स्ट्राइक रोटेशन भी उतने ही जरूरी हैं। शिवम ने कहा, श्उनकी सलाह ने मेरी मदद की है।

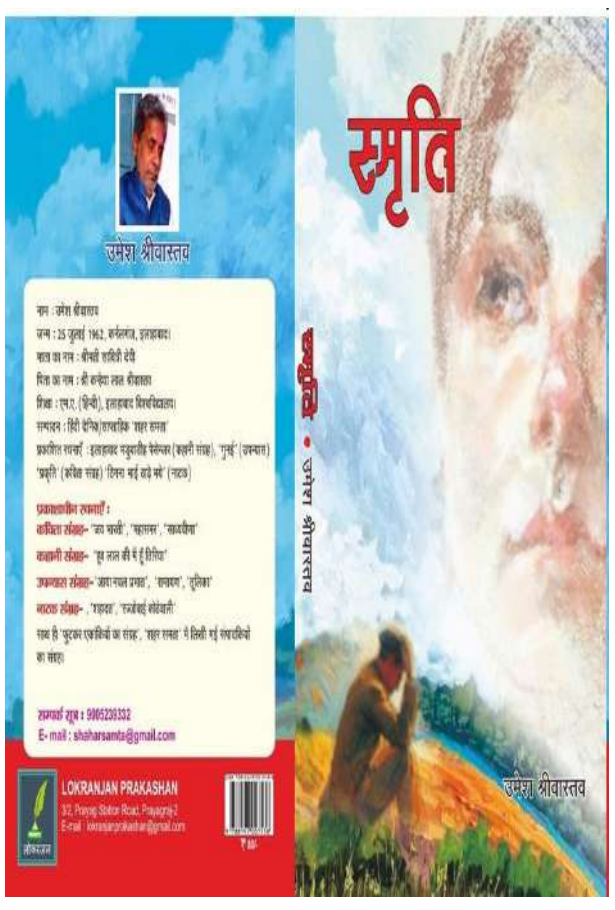

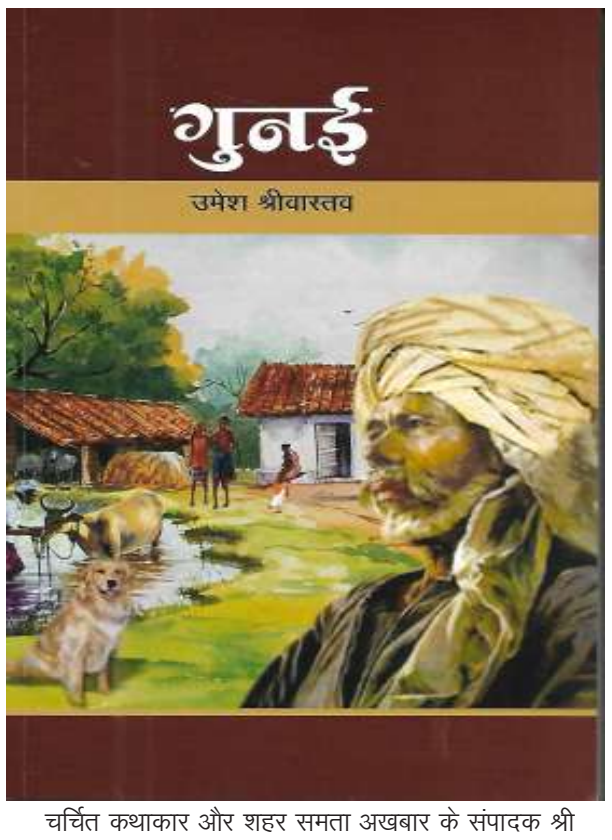

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

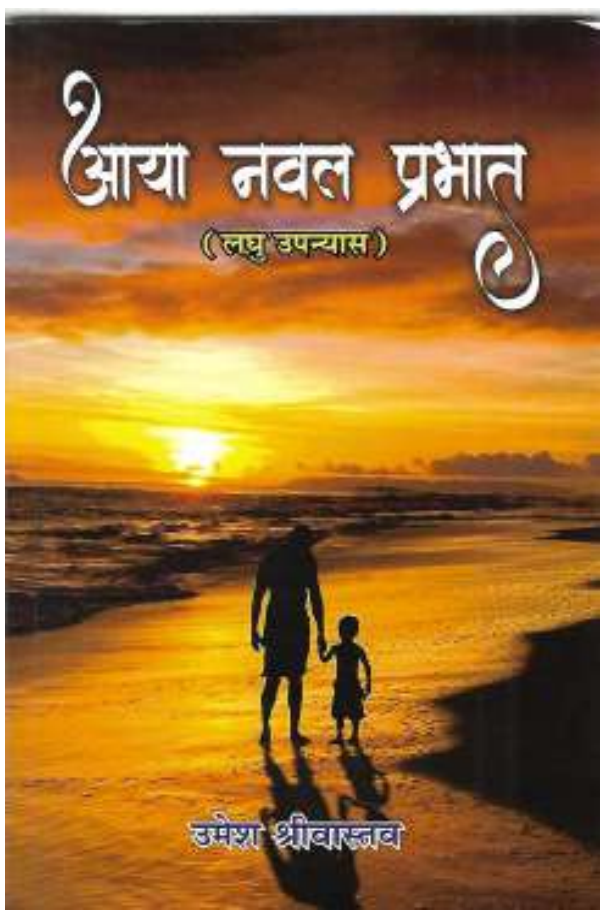

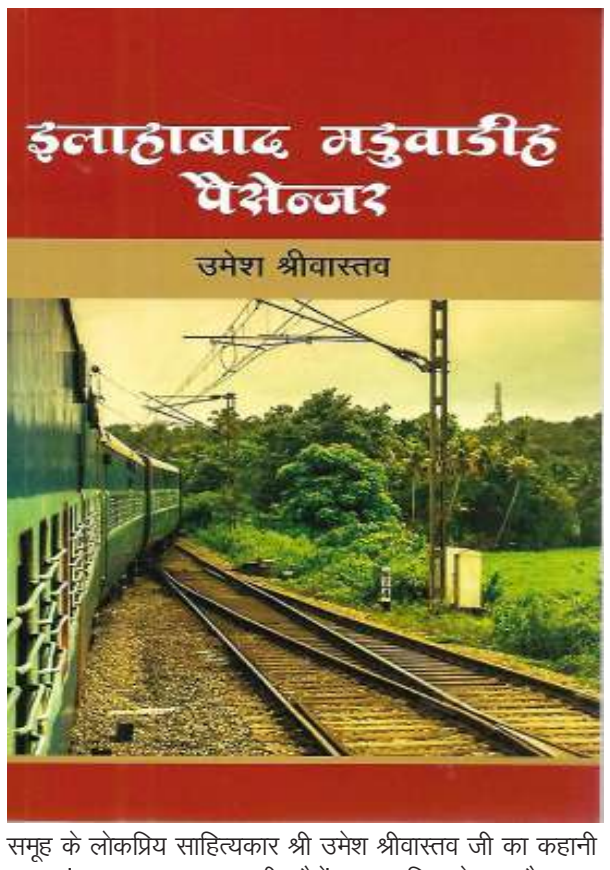

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

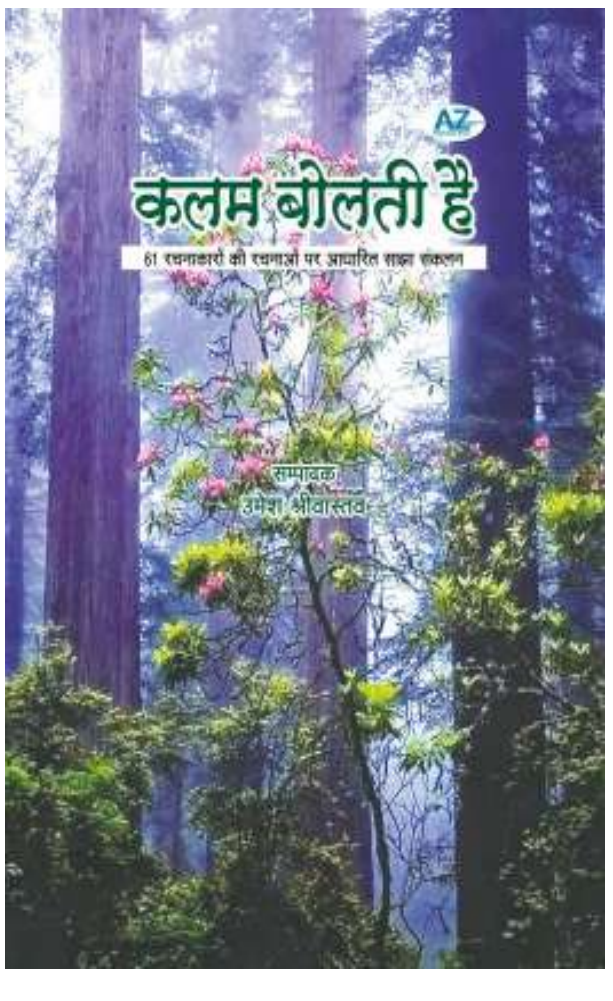

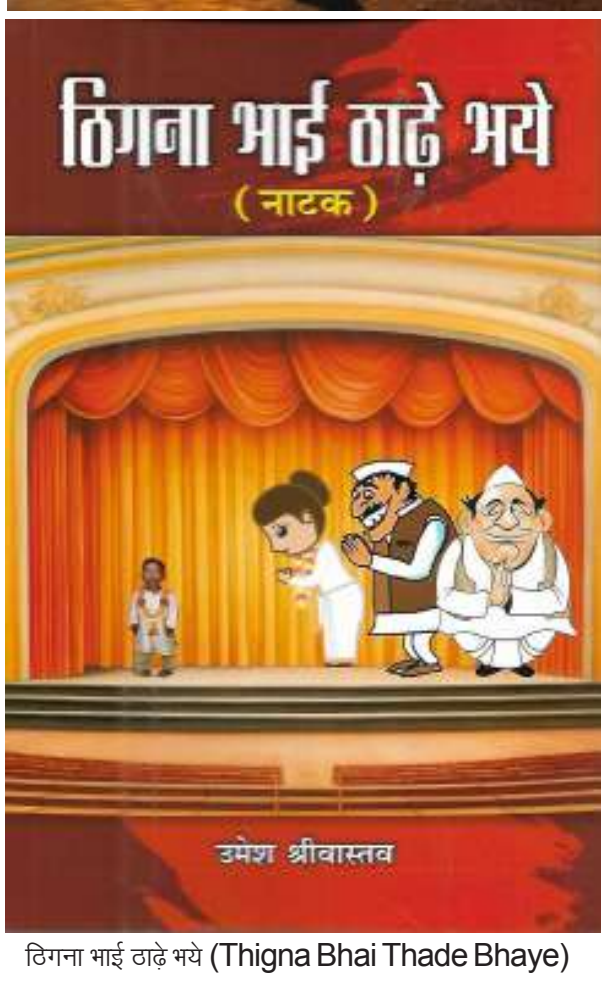

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

गार्सिया द्वीप पर ब्रिटेन का कब्जा खत्म होने से घबराया यूएस, ट्रंप ने कहा- ईरान पर हमले के लिए चाहिए

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से अपील की है कि वे हिंद महासागर क्षेत्र में स्थित द्वीप डिएगो गार्सिया को मॉरीशस को न सौंपें। ट्रंप ने कहा कि अगर अमेरिका और ईरान के बीच जिनेवा में चल रही बातचीत असफल रहती है तो ईरान पर हमले के लिए अमेरिका को डिएगो गार्सिया द्वीप की जरूरत पड़ेगी। गौरतलब है कि बीते साल ब्रिटेन ने हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से बेहद अहम द्वीप डिएगो गार्सिया को मॉरीशस को सौंपने का एलान किया था। हालांकि 99 साल की लीज पर अमेरिका–ब्रिटेन का सैन्य अड्डा द्वीप पर बरकरार रहेगा। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में ट्रंप ने लिखा, मैं ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से कहता रहा हूं कि देशों के मामलों में पट्टे (लीज) का कोई महत्व नहीं होता। हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से स्थित डिएगो गार्सिया पर 100 साल का पट्टा समझौता करके वे बड़ी गलती कर रहे हैं। ब्रिटेन के साथ हमारे मजबूत संबंध हैं और ये संबंध कई वर्षों से हैं, लेकिन प्रधानमंत्री स्टार्मर इस द्वीप पर अपना नियंत्रण खो रहे हैं। ट्रंप ने आगे लिखा, श्अगर ईरान समझौता करने से इनकार कर देता है तो अमेरिका को डिएगो गार्सिया द्वीप की जरूरत पड़ सकती है। प्रधानमंत्री स्टार्मर को किसी भी वजह से डिएगो गार्सिया पर अपना नियंत्रण नहीं खोना चाहिए।श ट्रंप ने ये भी कहा कि जरूरत पड़ने पर वे ब्रिटेन के लिए लड़ने के लिए तैयार हैं। ट्रंप ने लिखा, श्अगर ब्रिटेन से जमीन छीनी जाती है तो ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। हम ब्रिटेन के लिए लड़ने के लिए हमेशा तैयार रहेंगे। लेकिन ब्रिटेन को मजबूत रहना होगा। मॉरीशस को साल 1968 में ब्रिटेन के शासन से आजादी मिली, लेकिन डिएगो गार्सिया द्वीप ब्रिटेन का उपनिवेश बना रहा। हालांकि अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के 2019 के फैसले और बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव के चलते ब्रिटेन की सरकार ने साल 2025 में मॉरीशस के साथ हुए एक समझौते में चागोस द्वीप समूह को मॉरीशस को वापस लौटाने का फैसला किया। वहीं डिएगो गार्सिया द्वीप को 99 साल के पट्टे पर बरकरार रखने का फैसला किया, जहां ब्रिटेन का सैन्य अड्डा रहेगा। डिएगो गार्सिया द्वीप हिंद महासागर में रणनीतिक लिहाज से बेहद अहम जगह पर है। यही वजह है कि ट्रंप इस द्वीप को छोड़ने के ब्रिटेन के फैसले के खिलाफ हैं।

नासा का अलर्ट: 25 हजार एस्टेरॉयड धरती के पास, आधों का अब तक नहीं लगा सुरागय बना सकते हैं निशाना

एजेंसी/ अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने चेताया है कि पृथ्वी के पास लगभग 25,000 ऐसे एस्टेरॉयड (क्षुद्रग्रह) मंडरा रहे हैं। लेकिन इनका अभी तक पता नहीं चल पाया है। चिंता की बात ये है कि ये किसी भी क्षेत्र को पूरी तरह खत्म कर समतल करने की ताकत रखते हैं। नासा में प्लैनेटरी डिफेंस (ग्रह रक्षा) की प्रमुख केली फास्ट ने अमेरिकी एसोसिएशन फॉर द एडवांसमेंट ऑफ साइंस में बोलते हुए कहा कि जो चीज मुझे रात में सोने नहीं देती, वह हैं वे एस्टेरॉयड जिनके बारे में हम जानते ही नहीं हैं।

केली के मुताबिक, वैज्ञानिक बहुत छोटे और बहुत बड़े पत्थरों को तो ट्रैक कर लेते हैं, लेकिन मध्यम आकार (लगभग 140 मीटर) वाले पत्थर अभी भी नजरों से ओझल हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि ये सिटी–किलर्स वैश्विक विनाश भले न करें, लेकिन क्षेत्रीय स्तर पर भारी तबाही मचा सकते हैं। अनुमान है कि ऐसे 25,000 पत्थरों में से हम केवल 40 फीसदी को ही ढूंढ पाए हैं। जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी की डॉ. नैन्सी चाबोट, जिन्होंने 2022 में नासा के डार्ट मिशन का नेतृत्व किया था, उन्होंने भी इस खतरे पर मुहर लगाई है। उनके अनुसार यह खोज अभी अधूरी है, हमें अभी भी 50 फीसदी से ज्यादा 140 मीटर वाले एस्टेरॉयड्स के ठिकाने का पता नहीं है।

'ईरान पर सैन्य कार्रवाई से पहले कूटनीति ही विकल्प, समझौता करना समझदारी होगी', अमेरिका की तेहरान को चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलाइन लेविट ने बुधवार को कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास ईरान के साथ परमाणु समझौते को लेकर सैन्य कार्रवाई करने से पहले कूटनीति ही पहला विकल्प है। लेविट ने मीडिया से बातचीत में ईरान को चेताया और कहा कि ईरान के लिए ट्रंप के साथ समझौता करना समझदारी होगी। जब उनसे ईरान पर संभावित सैन्य कार्रवाई के बारे में पूछा गया, तो लिविट ने कहा, ईरान पर हमला करने के लिए कुछ तर्क दिए सकते हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

भारतीय मूल की महिला नेता की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की तारीफ

एजेंसी/अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में आयोजित एक कार्यक्रम में भारतीय मूल की प्रमुख नेता हरमीत कौर ढिल्लों की सराहना की। यह कार्यक्रम ब्लैक हिस्ट्री मंथ के अवसर पर आयोजित किया गया था। इसमें ट्रंप ने अपने प्रशासन की उपलब्धियों, आपराधिक न्याय सुधार, अर्थव्यवस्था और सार्वजनिक सुरक्षा पर बात की। व्हाइट हाउस में बुधवार (स्थानीय समय) को आयोजित इस समारोह की शुरुआत करते हुए ट्रंप ने कहा, ष्यह बहुत खास मौका है। ब्लैक हिस्ट्री मंथ का शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है। यह अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। ट्रंप ने दिवंगत नागरिक अधिकार नेता जेसी जैक्सन को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, ष्यह एक अलग तरह के व्यक्ति थे, लेकिन एक अच्छे इंसान थे। मैं उन्हें अपनी

सर्वोच्च श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।ष समारोह में मौजूद अतिथियों और अधिकारियों का जिक्र करते हुए ट्रंप ने कानूनी मामलों पर चर्चा की और हार्वर्ड यूनिवर्सिटी समेत कई संस्थानों से जुड़े विवादों का जिक्र किया। इसी दौरान उन्होंने हरमीत ढिल्लों का जिक्र करते हुए कहा, ष्हरमीत इन मामलों पर नजर रख रही हैं। हरमीत कौर ढिल्लों का जन्म 1969 में हुआ, और उन्हें वर्ष 2025 में अमेरिकी न्याय विभाग के सिविल राइट्स डिवीजन में सहायक अटॉर्नी जनरल नियुक्त किया गया था। इससे पहले वे कैलिफोर्निया रिपब्लिकन पार्टी की उपाध्यक्ष और रिपब्लिकन नेशनल कमेटी की कैलिफोर्निया प्रतिनिधि रह चुकी हैं। ट्रंप प्रशासन में इस महत्वपूर्ण पद पर नियुक्ति के साथ वे सबसे वरिष्ठ भारतीय–अमेरिकी अधिकारियों में शामिल हो गई हैं। ट्रंप ने ब्लैक अमेरिकियों के लिए किए गए कार्यों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उनके पहले कार्यकाल में लागू किया गया फर्स्ट स्टेप एक्ट ऐतिहासिक आपराधिक न्याय सुधार था। तीस वर्षों से अधिक समय तक कई लोग आपराधिक न्याय सुधार के लिए प्रयास कर रहे थे, लेकिन यह संभव नहीं हो पाया था। ट्रंप ने ऐतिहासिक रूप से अश्वेत समुदाय के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के लिए दीर्घकालिक वित्तीय सहायता का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उनके प्रशासन ने लगभग 9,000 श्ऑपर्च्युनिटी जोनश बनाए, जिससे आर्थिक विकास को बढ़ावा मिला। अर्थव्यवस्था पर बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका इस समय दुनिया की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव के बाद से शेयर बाजार 53 बार रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी इतिहास में आज जितने लोग काम कर रहे हैं, उतने पहले कभी नहीं थे और मजदूरी दर महंगाई से तेज बढ़ रही है। कार्यक्रम में ऐलिस मैरी जॉनसन ने भी संबोधन दिया। उनकी उम्रकैद की सजा ट्रंप के पहले कार्यकाल में कम कर दी गई थी। उन्होंने कहा, ष्सिर्फ अमेरिका में ही मेरी जैसी कहानी संभव है। इस राष्ट्रपति ने मुझे जेल से व्हाइट हाउस तक पहुंचाया। ट्रंप ने अपने समापन वक्तव्य में कहा कि ब्लैक हिस्ट्री मंथ उन लोगों की विरासत का सम्मान करने का समय है, जिन्होंने समानता और न्याय के लिए संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य एक सुरक्षित, मजबूत और समृद्ध अमेरिका का निर्माण करना है। श्ब्लैक हिस्ट्री मंथश हर वर्ष फरवरी में मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य अफ्रीकी–अमेरिकी समुदाय के इतिहास, संघर्ष और योगदान को सम्मान देना है।

परमाणु ताकत दिखाने में जुटा उत्तर कोरिया, किम जोंग ने 50 नए रॉकेट लॉन्चर किए तैनात

सियोल, एजेंसी।उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन ने अपनी सेना की ताकत दिखाते हुए 50 नए रॉकेट लॉन्चर तैनात किए हैं। ये लॉन्चर ऐसे छोटे–दूरी वाले मिसाइल दाग सकते हैं जो परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम माने जाते हैं और दक्षिण कोरिया के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं। सरकारी मीडिया के अनुसार, इन लॉन्चर वाहनों को एक बड़े समारोह में दिखाया गया। यह कदम सत्ताधारी वर्कर्स पार्टी की आने वाली बड़ी बैठक (पार्टी कांग्रेस) से पहले उठाया गया है, जहां किम अपनी सेना को और मजबूत बनाने की नई योजनाएं घोषित कर सकते हैं। वहीं कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने कहा कि ये गाड़ियां देश के 600–मिलीमीटर मल्टीप्लायर रॉकेट लॉन्चर सिस्टम को सपोर्ट करती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया के बड़े आर्टिलरी रॉकेट आर्टिलरी सिस्टम और शॉर्ट–रेंज बैलिस्टिक मिसाइलों के बीच का फर्क धुंधला कर देते हैं क्योंकि वे अपना थ्रस्ट खुद बना सकते हैं और डिलीवरी के दौरान गाइडेड होते हैं। वे किम के परमाणु–सक्षम

शॉर्ट–रेंज हथियारों के बढ़ते कलेक्शन का हिस्सा हैं जिन्हें साउथ कोरिया में मिसाइल डिफेंस को हराने के लिए बनाया गया है। दक्षिण कोरिया से बढ़ा तनाव वहीं किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने कहा कि दक्षिण कोरिया के एक मंत्री ने कथित ड्रोन घुसपैठ पर माफी मांगी है, लेकिन उत्तर कोरिया अपनी सीमा सुरक्षा और मजबूत करेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर दोबारा ड्रोन घुसपैठ हुई तो उत्तर कोरिया ताकत से जवाब देगा। साल 2019 में अमेरिका और उत्तर कोरिया के बीच परमाणु वार्ता टूटने के बाद से दोनों कोरिया के रिश्ते लगातार बिगड़ते गए। हाल के वर्षों में किम ने श्शांतिपूर्ण एकीकरणश की नीति छोड़कर दक्षिण कोरिया को दुश्मन देश घोषित कर दिया। उत्तर कोरियाई शासक ने एक भाषण में कहा कि शानदार रॉकेट लॉन्चर एआई और एडवांस्ड गाइडिंग टेक्नोलॉजी से लैस हैं जो श्स्ट्रेटेजिक मिशनश को पूरा करने के लिए बनाए गए हैं, यह शब्द न्यूक्लियर मकसद को दिखाता है। उन्होंने कहा कि आने वाली कांग्रेस उनकी न्यूक्लियर–आर्म्ड मिलिट्री की कैपेबिलिटी को बढ़ाने के लिए नए प्लान जारी करेगी, जिसके पास पहले से ही एशिया में अमेरिका के सहयोगियों को टारगेट करने वाले कई सिस्टम और अमेरिका मेनलैंड तक पहुंचने में कैपेबल लॉन्ग–रेंज मिसाइलें हैं। अपने बयान में, किम की बहन, किम यो जोंग ने कहा कि वह कथित ड्रोन उड़ानों पर दक्षिण कोरिया के यूनिफिकेशन मंत्री चुंग डोंग–यंग की माफी को श्बहुत अहमियत देती हैंश, लेकिन उन्होंने दोहराया कि अगर ऐसी उड़ानें दोबारा होती हैं तो उत्तर कोरिया सख्ती से जवाब देगा। उन्होंने कहा कि देश की सेना दक्षिण कोरिया के साथ बॉर्डर पर निगरानी मजबूत करेगी।उन्होंने कहा, श्दुश्मन देश के साथ बॉर्डर स्वाभाविक रूप से मजबूत होना चाहिए।श चुंग ने बुधवार को कहा कि सियोल बॉर्डर पर तनाव कम करने के लिए 2018 के सस्पेंड किए गए अंतर–कोरियाई सेना समझौते को फिर से लागू करने पर विचार कर रहा है, जिसमें उत्तर कोरिया में और ड्रोन घुसपैठ को रोकने के उपायों के तहत नो–फ्लाई जोन भी शामिल है। उत्तर कोरिया ने पिछले महीने दक्षिण कोरिया पर सितंबर और फिर जनवरी में निगरानी ड्रोन उड़ाने का आरोप लगाने के बाद जवाबी कार्रवाई की धमकी दी थी। दक्षिण कोरिया की सरकार ने उत्तर कोरिया द्वारा बताए गए समय के दौरान किसी भी ड्रोन को ऑपरेट करने से इनकार किया है, लेकिन कानून लागू करने वाले अधिकारी बॉर्डर इलाकों से नॉर्थ कोरिया में ड्रोन उड़ाने के शक में तीन आम लोगों की जांच कर रहे हैं।

आज शांति बोर्ड की बैठक की मेजबानी करेंगे ट्रंप, गाजा की स्थिति पर होगी चर्चा', व्हाइट हाउस का बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलाइन लेविट ने कहा कि अमेरिका के

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप गुरुवार को शांति बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में 20 सदस्य देशों की ओर से गाजा के लिए पांच अरब डॉलर के अनुदान की घोषणा की जाएगी। लेविट ने मीडिया से बातचीत में कहा कि शांति बोर्ड की बैठक में इस्राइल और हमास के बीच युद्ध के बाद गाजा में सुरक्षा बनाए रखने पर फोकस किया जाएगा। प्रेस सचिव ने बताया, कल ट्रंप, डोनाल्ड जे. ट्रंप इंस्टीट्यूट ऑफ पीस में तीन बजे शांति बोर्ड की बैठक की मेजबानी करेंगे। (शांति बोर्ड के) सदस्य देशों ने गाजा में मानवीय और पुनर्निर्माण कार्यों के लिए पांच अरब डॉलर देने का वादा है, इसमें उसकी घोषणा की जाएगी। इसके अलावा हजारों कर्मियों को अंतरराष्ट्रीय बल में तैनात करने की प्रतिबद्धता भी जताई गई है, ताकि गाजा में सुरक्षा और शांति बनी रहे। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति अपनी टिप्पणियों के साथ बैठक की शुरुआत करेंगे और औपचारिक रूप से इसकी अध्यक्षता करेंगे। कल सुरक्षा बनाए रखने और समृद्धि पाने के तरीकों पर चर्चा भी होगी। जब बोर्ड की वित्तीय फैसलों की प्रक्रिया के बारे में पूछा गया, तो लेविट ने कहा कि निर्णय शांति बोर्ड ही लेगा, जिसमें अध्यक्ष राष्ट्रपति हैं। सभी सदस्य फंडिंग को लेकर मतदान करेंगे और इसके बाद बोर्ड के तहत तकनीकी स्तर पर काम होगा। रविवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि नवगठित शांति बोर्ड के सदस्य देशों ने गाजा में मानवीय और पुनर्निर्माण कार्यों के लिए पांच अरब डॉलर से अधिक देने का वादा किया है। ट्रंप ने सोशल प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि वह 19 फरवरी 2026 को मैं फिर से शांति बोर्ड के सदस्यों के साथ डोनाल्ड जे. ट्रंप इंस्टीट्यूट ऑफ पीस में बैठक करेंगे। उन्होंने कहा कि इस दौरान हम सदस्य देशों की ओर से गाजा में मानवीय और पुनर्निर्माण कार्यों के लिए पांच अरब डॉलर से अधिक के योगदान की घोषणा करेंगे। उन्होंने कहा कि सदस्य देशों ने श्सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय बल और स्थानीय पुलिस में हजारों कर्मियों को तैनात करनेश का वादा किया है। उन्होंने कहा कि हमास को तुरंत और पूरी तरह से निशस्त्रीकरण का पालन करना चाहिए। ट्रंप ने जनवरी में दावोस में शांति बोर्ड का गठन किया था। इसे शुरू में गाजा में युद्ध के बाद की स्थिति पर निगरानी रखने के लिए बनाया गया था। हालांकि, इसके अब इसका दायरा बढ़ा दिया गया है, जिसमें वैश्विक शांति को बढ़ावा देना भी शामिल है।

'डिएगो गार्सिया द्वीप पर नियंत्रण न खोएं', ट्रंप ने ब्रिटेन को किया आगाहय व्हाइट हाउस की ईरान पर दो टूक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री को कीर स्टार्मर को आगाह किया है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा, देशों के मामलों में लंबे समय तक पट्टा (लीज) कोई अच्छा विकल्प नहीं है। उन्होंने विशेष रूप से डिएगो गार्सिया द्वीप का जिक्र किया। यह द्वीप हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से स्थित है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि प्रधानमंत्री स्टार्मर 100 साल की लीज में प्रवेश करके इस अहम द्वीप पर नियंत्रण खो सकते हैं। ट्रंप ने लिखा कि कुछ संस्थाओं के दावे पहले कभी ज्ञात नहीं थे। उनके अनुसार, ये दावे काल्पनिक हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान समझौता नहीं करता है, तो अमेरिका को डिएगो गार्सिया और फेयरफोर्ड एयरफील्ड का इस्तेमाल करना पड़ सकता है। ट्रंप का कहना है कि यह कदम संभावित खतरनाक हमलों से ब्रिटेन और अन्य मित्र देशों की सुरक्षा के लिए जरूरी हो सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ब्रिटेन को अपने इस अहम द्वीप पर नियंत्रण नहीं खोना चाहिए। अमेरिका हमेशा ब्रिटेन के लिए लड़ने के लिए तैयार है। लेकिन ब्रिटेन को मजबूत बने रहना होगा। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलाइन लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप कूटनीति को हमेशा प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने कहा कि ईरान के लिए समझौता करना ही समझदारी होगी। राष्ट्रपति कई लोगों और राष्ट्रीय सुरक्षा टीम से इस पर चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस बैठक में 20 सदस्य देशों की ओर से गाजा के लिए पांच अरब डॉलर के अनुदान की घोषणा की जाएगी। प्रेस सचिव ने मीडिया से बताया कि शांति बोर्ड की बैठक में इस्राइल और हमास के बीच चल रहे युद्ध के बीच गाजा में सुरक्षा बनाए रखने पर चर्चा होगी।

न्यूयॉर्क में फिर शुरू होगी बेघर लोगों के कैंप हटाने की कार्रवाई, ममदानी बोले- इस बार तरीका मानवीय होगा

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने एलान किया है कि शहर में सड़क किनारे और पार्कों में बने अस्थायी बेघर कैंप (टेंट बस्ती) फिर से हटाए जाएंगे। लेकिन इस बार उनका कहना है कि तरीका पहले से अलग और ज्यादा मानवीय (इंसानियत भरा) होगा। बता दें कि, मेयर बनने के कुछ ही दिनों बाद जोहरान ममदानी ने पुराने मेयर एरिक एडम्स की कैंप हटाने वाली नीति रोक दी थी। उनका मानना था कि सिर्फ कैंप हटाने से समस्या हल नहीं होगी, लोगों को घर और सही मदद मिलनी चाहिए। हाल ही में न्यूयॉर्क में कड़ाके की ठंड पड़ी, जिसमें कम से कम 19 लोगों की बाहर ठंड से मौत हो गई। हालांकि यह साफ नहीं है कि ये लोग कैंप में रह रहे थे या नहीं, लेकिन इस घटना के बाद शहर की नीतियों पर सवाल उठने लगे। जोहरान ममदानी के इस फैसले को सिटी काउंसिल की स्पीकर जूल मेनिन ने सही कदम बताया। उनका कहना है कि इतनी ठंड में लोगों को सड़क पर छोड़ना अमानवीय है। वहीं इसके विरोध में बेघर लोगों के लिए काम करने वाली संस्था श्बेघरों के लिए गठबंधनश के निदेशक डेविड गिफेन ने कहा कि यह राजनीतिक फैसला है। उनका कहना है कि जब लोगों का सामान फेंक दिया जाता है, तो वे सरकार पर भरोसा नहीं कर पाते।

40 साल बाद अमेरिका में सबसे घातक हिमस्खलन हादसा, आठ स्कीयरों की मौत, एक अभी भी लापता

नेवाडा, एजेंसी।अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया में लेक टाहो के पास हुए हिमस्खलन में आठ स्कीयर के शव बरामद किए गए हैं, जबकि एक व्यक्ति अब भी लापता है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी एपी के मुताबिक यह पिछले 40 से अधिक वर्षों में अमेरिका का सबसे घातक हिमस्खलन हादसा माना जा रहा है। नेवाडा काउंटी की शेरिफ शैनन मून ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि अब अभियान को बचाव से बदलकर शवों की बरामदगी (रिकवरी) में तब्दील कर दिया गया है। इससे पहले 1981 में वॉशिंगटन के माउंट रेनियर पर हुए हिमस्खलन में 11 पर्वतारोहियों की मौत हुई थी। मून ने प्रेस वार्ता में कहा कि अधिकारियों ने परिवारों को सूचित कर दिया है कि बचाव अभियान अब शवों की निकासी में परिवर्तित हो गया है।

अधिकारियों के अनुसार यह हादसा मंगलवार सुबह हुआ, जब उत्तरी कैलिफोर्निया की सिएरा नेवादा पर्वतमाला में कैसल पीक इलाके में 15 स्कीयर हिमस्खलन की चपेट में आ गए। मंगलवार सुबह हिमस्खलन के बाद से लापता स्कीयरों की तलाश में बचाव दल को बेहद मुश्किल परिस्थितियों का सामना करना पड़ा है। हिमस्खलन में 15 स्कीयरों के दब जाने की सूचना 911 पर मिलने के बाद खोज और बचाव दल को सिएरा नेवादा के कैसल पीक क्षेत्र में भेजा गया। अब तक छह लोगों को जीवित बचा लिया गया है। दो घायलों को कई घंटे चले सर्च ऑपरेशन के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।